राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार ,03 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-252 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत की प्रख्यात स्कुल के संचालक पर कई स्टाफ ने छेडखानी की शिकायत के बाद हेरान कर निकाला गया लेकिन फरियाद क्यों नही-सूत्र

क्रांति समय दैनिक समाचार

सुरत,सुरत में चल रहे स्कुल कुछ स्टाफ के साथ छेडखानी होने के बाद में फरियाद करने के बाद उसे नोकरी से निकाल देना और अन्य दूसरे संगीन आरोप लगा कर हेरान-परेशान कर नोकरी छोडने पर मजबूर कर देना इस तरह के अपने रंगीन मिजाज में रहने वाले संचालक किसी आध्यात्मिक गुरु से कम होने है, लेकिन समय और संजोग वश हेरान-परेशान होने वाले स्टाफ की फरियाद भी कहीं पर दर्ज नही की गई.

शासन-प्रशासन भी अवैध कार्यकी जानकारी होने के बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्यवाही न होने के कारणवश किसी प्रकार की कोई भी फरियाद कर अपनी इज्जत न उछालना के लिये मजबुर वश हो रहे अत्याचार को भी सह रहे हैं

सुरत जिलाधिकारी के जानकारी में चल रहे अवैध स्कुल पर कार्यवाही नही,तो छेड़खानी की फरियाद करने पर कोई भी सबुत नही होने से परेशान

सूरत सचिन क्षेत्र में चाकू से हमला, एक व्यक्तिकी मौत, एक घायल

क्रांति समय दैनिक समाचार

सचिन साईनाथ सोसायटी में बहन से झगड़े में सुलह कराने गए पड़ोसी की पड़ोसी ने हत्या कर दी। इतना ही नहीं, बचाने के लिए दौड़ा मेरा चचेरा भाई भी किया चाकू से घायल, परिजनों ने बताया कि बहन ३ दिन पहले ही गाँव से आये हैं,इकबाल अली (मृतक का भाई) पड़ोसी को समझाने गया कि दिलबर शौकत अली (यू. वी. 18) चार भाइयों और एक बहन में से तीसरा भाई था। यूपी से रोजगार की तलाश में आया था। वह बोबिन भरने का काम कर परिवार की आर्थिक मदद करती थी.अभी तीन दिन पहले ही बहन शबनम अपने गाँव यूपी से आई थी. एक ही समाज में रहने से उसे उसके छोटे-बड़े कामों में मदद मिलती थी। पड़ोसी का बहन से झगड़ा होने की जानकारी होने पर दिलबर शुक्रवार को पड़ोसियों को मनाने गया था। दिलबर ने खुद घायल बहन और पड़ोसियों के बीच में झगड़ा सुलझाने की कोशिश की, जिसे छुड़ाना पड़ा, लेकिन पड़ोसी ने तीन बार दिलबर को मार डाला। इतना ही नहीं, गुस्साई पड़ोसी ने चाकू लेकर वार कर दिया जिसमें एक व्यकित की मोत हो गई और दूसरे एक व्यकित घायलावस्था में होस्पिटल ले जाए गया. पड़ोसी महिला और उसके पति की क्रूरता ने भाई की जान ले ली और पुलिस मौके पर पहुंची। लड़ाई के पीछे कोई गंभीर कारण नहीं था। पुलिस ने हत्यारे को पकडने की कोशिश कर रही हैं

सूरत जिले में राज्य व पंचायत सड़क एवं भवन विभाग ने चलाया 'सड़क सुधार' अभियान

राज्य एवं पंचायत सड़क एवं भवन विभाग ने 'सड़क सुधार' अभियान के तहत भारी मानसूनी बारिश के चलते सूरत जिले की सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत का कार्य शुरूकर दिया है.

गांधी जी के मूल्यों को बर्बाद कर रही मोदी सरकार :कपिल सिब्बल

क्रांति समय दैनिक समाचार

गांधी जयंती के मौके पर गुजरात पहुंचे कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने आज अहमदाबाद में गांधी आश्रम में गांधी जी को श्रद्धाजंली दी। कपिल सिब्बल की अहमदाबाद यात्रा की चौंकाने वाली बात यह है कि उनके साथ गुजरात कांग्रेस का एक भी नेता दिखाई नहीं दिया। इस बारे में जब कपिल सिब्बल से सवाल किया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। हांलाकि उन्होंने भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार किए। सिब्बल ने कहा कि राजनेताओं में गांधी मूल्य नहीं रहे। भाजपा सरकार में असत्य की आंधी दिखाई दी रही है। मौजूदा स्थिति अलग है और सरकार अलग आंकड़े बता रही है। सिब्बल ने कहा कि मोदी सरकार गांधी जी के मूल्यों को बर्बाद कर रही है। कांग्रेस ने आंदोलन शुरूकिया था, जिसमें गांधी जी शामिल हुए थे। राजनीति में नेताओं को गांधी जी का आचरण अपनाने होंगे। सरकार गांधी जी की बातें जरूर करती है, लेकिन उसके कारनामे अलग हैं। जबकि कांग्रेस गांधी मूल्यों पर चलने का प्रयास करती है। अपने घर पर हुए पथराव को लेकर कपिल सिब्बल ने कहा कि मोदी सरकार में आए दिन ऐसी घटना होती हैं, मेरे घर पर ऐसी घटना सामान्य बात है।उन्होंने कहा कि आज देश को एक नए आंदोलन की जरूत है। गुजरात के जो नेता दिल्ली पहुंचे हैं वे गांधी जी की बातें करते हैं, लेकिन उसे समझते नहीं हैं। गांधीजी के स्वतंत्रता आंदोलन से मिली देश की आजादी को ये खत्म करने की तैयारी कर रहे हैं। गांधी जी राम-रहीम को एक मानते हैं, जबकि इन लोगों के लिए राम-रहीम एक नहीं हैं। सिब्बल ने पीएम मोदी से सवाल किया कि गांधी जी का सत्य कहां गया? आप तो असत्य की आंधी हो। सिब्बल ने सभी राजनीतिक दलों को तानाशाही के खिलाफ मजबूत होने का आह्वान करते हुए कहा कि मैं मोदी के राज में गांधी जी की बात करने आया हूं। किसान आंदोलन को लेकर कपिल सिब्बल ने कहा कि लोगों में चर्चा है कि सत्ता पक्ष को घेरने के लिए विपक्ष द्वारा एक साजिश के तहत किसानों को आंदोलनों के लिए प्रोत्साहित किया गया है। जबकि सच यह है कि किसान आंदोलन में विपक्ष की कोई भूमिका नहीं है। किसानों की समस्या जमीन से जुड़ी है और विपक्ष सदन में किसानों के मुद्दे उठाने नहीं दिए जाते। आज किसानों के अधिकार छीने जा रहे हैं, जिसके लिए सड़क पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं। उसमें विपक्ष का कोई हाथ नहीं है।

गांधी जयंती पर मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद के थलतेज इलाके में की खादी की खरीदारी

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 152वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आज देर शाम खादी की खरीदारी के लिए अहमदाबाद के थलतेज इलाके में स्थित यश खादी भंडार पहुंचे। मुख्यमंत्री ने स्वयं खादी खरीदकर स्वदेशी की भावना को बल प्रदान किया और नागरिकों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

साफ-सफाई का सपना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) 2.0 और कायाकल्प व शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) 2.0 का शुभारंभ किया। इन दोनों प्रमुख योजनाओं का लक्ष्य भारत के शहरों को कचरा मुक्त बनाना है। ये दोनों ही योजनाएं इसलिए भी स्वागतयोग्य हैं, क्योंकि गंदगी के मामले में भारतीय शहरों की गिनती ऊपर होती है। कई बड़े शहरों में ऐसे-ऐसे गंदे इलाके हैं कि वहां से गुजरना भी खतरे से खाली नहीं होता। कचरा, गंदगी, बीमारी, दूषित पेयजल, दूषित हवा, ध्वनि प्रदूषण इत्यादि से कई शहरी इलाकों की हालत खराब है। अत- केंद्र के दोनों ही अभियानों की देश को बड़ी जरूरत है। यहां तक कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई को भी कचरा मुक्त शहर नहीं कहा जा सकता। स्वच्छता अभियान का लाभ देश ने पहले देखा है, लेकिन अब स्वच्छता पर नए सिरे से ध्यान देने की जरूरत है। नए अभियान में अगर पिछले अभियान जैसा जोश दिखा, तो कम से कम छोटे शहरों का कायाकल्प हो सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि स्वच्छ भारत 2.0 मिशन के साथ उनकी सरकार शहरी क्षेत्रों को कचरा मुक्त बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इस अभियान में निचले स्तर पर अधिकारियों और स्थानीय निकायों को भी अपना पूरा योगदान देना पड़ेगा। अक्सर यह देखा गया है कि किसी भी अच्छी योजना को स्थानीय स्तर पर लापरवाही या उदासीनता के चलते नाकाम कर दिया जाता है। यह ध्यान रखना होगा कि स्थानीय स्तर पर समर्पण का अभाव नए अभियान के समय भी सामने आएगा। मूलभूत ढांचा वही है, उसी ढांचे का उपयोग शहरों को सुधारने के लिए करना है। ताजा अभियानों में शहरी अधिकारियों और स्थानीय प्रतिनिधियों को आईना दिखाना भी जरूरी है। साथ ही, यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन देशों में साफ-सफाई की हम दुहाई देते हैं, उन देशों में गंदगी फैलाने पर कैसी कड़ाई होती है, कैसे दंड या जुर्माना लगता है। अभियान के दूसरे चरण में सीवेज, जल निकासी, पेयजल पर विशेष ध्यान देने की व्यवस्था की गई है। अनेक शहरों में सीवेज व जल निकासी का ढांचा फिर से खड़ा करने की जरूरत है, ताकि नए ढांचे के साथ शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री बोल रहे हैं कि शहरों में कचरे के ढेर को संसाधित किया जाएगा और पूरी तरह से हटा दिया जाएगा। लेकिन स्थानीय स्तर पर अधिकारी वाकई ऐसा कर सकेंगे? क्या दिल्ली जैसे शहरों से भी कचरा के पहाड़ अब हट जाएंगे? प्रधानमंत्री के अनुसार, अभी भारत हर दिन लगभग एक लाख टन कचरे का निपटारा कर रहा है। जब 2014 में स्वच्छता अभियान शुरू किया गया था, तब 20 प्रतिशत से भी कम कचरे को निपटारा किया जाता था। आज दैनिक कचरे का लगभग 70 प्रतिशत प्रसंस्करण हो रहा है, अगला कदम इसे पूर्ण 100 प्रतिशत तक ले जाना है। जो लक्ष्य अब इन अभियानों के लिए तय किए गए हैं, उन्हें युद्ध स्तर पर पूरा करना चाहिए। विकसित व स्वस्थ्य देश के लिए स्वच्छता सबसे जरूरी है। हमें गांधी जी का उदाहरण भी हमेशा सामने रखना चाहिए। गांधी जी कहीं भी आंदोलन के लिए जाते थे, तो उनके काम की शुरुआत सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई से ही होती थी। इसमें कोई शक नहीं कि सभ्य इंसान बनने की पहली सीढ़ी साफ-सफाई ही है।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि देना ही श्राद्ध है

जब हमें इतना ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुंच सकते हैं? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है। क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं। जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरान्त लोग विस्मृत न कर दें। इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्राद्ध हिन्दू धर्म में किया जाने वाला एक कर्म है। जो पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं, जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है, जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस ऊर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है। पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। अपने पूर्वजों के निमित्त दी गई वस्तुएं सचमुच उन्हें प्राप्त होती हैं या नहीं, इस विषय में कुछ लोगों को संदेह है। हमारे पूर्वज अपने कर्मानुसार किस योनि में उत्पन्न हुए हैं। जब हमें इतना ही नहीं मालूम तो फिर उनके लिए दिए गए पदार्थ उन तक कैसे पहुंच सकते हैं? क्या एक ब्राह्मण को भोजन कराने से हमारे पूर्वजों का पेट भर सकता है? न जाने इस तरह के कितने ही सवाल लोगों के मन में उठते होंगे। वैसे इन प्रश्नों का सीधे-सीधे उत्तर देना सम्भव भी नहीं है। क्योंकि वैज्ञानिक मापदण्डों को इस सृष्टि की प्रत्येक विषयवस्तु पर लागू नहीं किया जा सकता। दुनिया में ऐसी कई बातें हैं। जिनका कोई प्रमाण न मिलते हुए भी उन पर विश्वास करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढ़ियों का उद्धार हो जाता है। गया जी को विश्व में पितरों की मुक्ति के लिए सर्वश्रेष्ठ तीर्थस्थल माना गया है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

किसानों को तोहफा, आंदोलनकारियों को झटका

- सियाराम पांडेय 'शांत'

केंद्र सरकार और अन्य भाजपा शासित राज्यों में किसानों को तोहफे पर तोहफे दिए जा रहे हैं। उनकी आय बढ़ाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे दिल्ली में आंदोलित किसान नेता भी परेशान हैं, वे भाजपा शासित राज्यों में भाजपा को कमजोर करने की जितनी भी कोशिश कर रहे हैं, वह सब उन पर उलटा पड़ रहा है। अलबत्ता किसानों की नजर में भी उनकी अपनी विपरीत छवि बन रही है। सरकार ने फिर आंदोलनकारियों से वार्ता की मेज पर आने का आग्रह किया है। ऐसा करके वह किसानों को संदेश देना चाहती है कि उसने जो भी कायदे-कानून बनाए हैं, उसमें किसानों का हित छिपा है लेकिन किसान नेता अपनी हठधर्मिता पर अड़े हैं।विभिन्न फसलों की 35 विशिष्ट गुणों वाली फसल प्रजातियां किसानों को सौंपकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि किसानों और वैज्ञानिकों के समवेत सहयोग से यह देश आगे बढ़ेगा। उनका मानना है कि किसानों के समग्र और तेज विकास के लिए किसानों और कृषि को वैज्ञानिक सुरक्षा कवच मिलना जरूरी है। किसान और वैज्ञानिक मिलकर नई चुनौतियों का सामना करने में इस देश की मदद कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को यह भी बताया है कि हाल के कुछ वर्षों में कृषि वैज्ञानिकों ने अलग-अलग फसलों के 1300 से अधिक उन्नतशील किस्म के रोग और मौसम प्रतिरोधी बीज तैयार किए हैं। इसी कड़ी में 35 और फसलों की किस्में किसानों को समर्पित की जा रही हैं। बीएचयू कृषि विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों की ओर से विकसित गेहूं की नई प्रजाति के बीज मालवीय 838 को भी उन्होंने देश को समर्पित किया। इस प्रजाति की उत्पादन क्षमता एक हेक्टेयर में 50 क्विंटल है जबकि सामान्य बीज की क्षमता 40 से 45 क्विंटल है। यह प्रजाति कम पानी में अधिक उत्पादन देती है। एक ओर जहां दिल्ली की सीमा पर कुछ किसान नेता तकरीबन एक साल से तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने भारत बंद का भी आयोजन किया था। यह और बात है कि उन्हें उनके मनोनुकूल सफलता नहीं मिली। उन्होंने मुजफ्फरनगर में बड़ी किसान पंचायत की लेकिन वह भी निर्बाध रूप से पूरी हो गई। किसान नेता चाहते थे कि सरकार बाहर से आने वाले किसानों को रोकेगी तो विरोध की हवा बनेगी लेकिन ऐसा भी कुछ नहीं हुआ। जिस दिन से आंदोलन शुरू हुआ है तब से लेकर अब तक अनेक अवसर आए हैं जब केंद्र की नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ ने किसान को कुछ बड़ा और खास उपहार दिया है। भारत बंद के एक दिन पहले ही उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गन्ने के समर्थन मूल्य में 25 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि कर किसान आंदोलन की धर कुंद कर दी थी। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत की इस पर बौखलाहट भी सामने आई। उन्होंने तो यहां तक कहा कि योगी सरकार गन्ने के दाम बढ़ाकर अन्नदाताओं का अपमान कर रही है। अगर गन्ने का अधिक मूल्य देना अपमान है तो सम्मान क्या है ! किसान नेता को यह तो इस देश को बताना ही चाहिए। राकेश टिकैत को शायद गन्ने का समर्थन मूल्य 25 रुपये बढ़ना अच्छा नहीं लगा लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि इस निर्णय से सरकार पर व्यय भार कितना आ रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने तो मंत्रिमंडल की अपनी पहली बैठक में ही 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ का ऋण माफ कर दिया है। भाजपा शासित राज्यों और केंद्र सरकार का हमेशा यह मानना रहा है कि जब तक किसान खुशहाल नहीं रहेगा, देश खुशहाल नहीं हो सकता। उत्तर प्रदेश के किसानों की पैदावार बढ़ाने के लिए सरकार हर खेत को पानी अभियान चला रही है। 3.77 लाख हैक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि सरकार किसानों के हित के लिए कड़े से कड़ा निर्णय ले सकती है। योगी सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल में 688 बाढ़ सुरक्षा योजना की पूर्णता यह बताने के लिए काफी है कि नीति और नीयत साफ हो तो असंभव कुछ भी नहीं है। 230 बाढ़ नियंत्रण परियोजनाएं पूर्णता की ओर बढ़ रही हैं। 1 लाख 49 हजार 802 किमी नहरों की सिल्ट की सफाई कराकर सरकार ने खेत के शीर्ष तक पानी पहुंचाने की जो रणनीति अपनाई है, उससे भला तो अंततः किसानों का ही होने वाला है। ऐसे में जो लोग सरकार को किसान विरोधी करार देकर किसानों को गुमराह कर रहे हैं, उन्हें अपने दामन में भी एकाध बार जरूर झांक लेना चाहिए। बुंदेलखंड में 19428 खेत-खलिहानों का निर्माण, किसान सम्मान निधि के तहत उत्तर प्रदेश के 2.54 करोड़ किसानों को 37531 करोड़ रुपये का हस्तांतरण, किसानों को 4.72 लाख करोड़ फसली ऋण का भुगतान और एमएसपी में दोगुना वृद्धि यह बताती है कि सरकार किसानों के साथ है और किसान नेता अपना राजनीतिक हित साध रहे हैं। वे किसानों के कंधे पर जुआ रखकर अपने लाभ की राजनीति कर रहे हैं। सरकार जानती है कि अगर किसानों को समृद्ध और खुशहाल बनाना है तो उन्हें तकनीक और प्रौद्योगिकी से भी जोड़ना होगा। प्रौद्योगिकी आधुनिक युग की हकीकत है। इसलिए जरूरी है कि किसानों को बेवजह गुमराह करने की बजाय उसे नई प्रौद्योगिकी से जोड़ा जाए। जो भी राजनीतिक दल किसानों के साथ खड़ा होने का दंभ भर रहे हैं, उन्हें भी राजनीति से अधिक किसानों की बेहतरी पर ध्यान देना चाहिए, यही मौजूदा समय की मांग है।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

नजरिया

बदलाव की जो सही राह वह दुनिया को दिखा गए

नवीन जिंदल, पूर्व सांसद, उद्योगपति

हर साल 2 अक्तूबर को भारत और दुनिया के लोग महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर याद करते हैं और उनके आदर्शों और सार्वभौमिक जीवन संदेशों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता ताजा करते हैं। आजाद भारत में हमारी सामूहिक चेतना पर गांधी का सबसे ज्यादा प्रभाव रहा है। वह संभवत- हमेशा ऐसे सबसे प्रभावशाली व्यक्ति रहेंगे, जिन्हें भारत ने आधुनिक युग में पैदा किया। मेरे लिए भी महात्मा मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। प्रत्येक भारतीय के लिए वह अद्वितीय हैं। उनकी देशभक्ति और राष्ट्रवाद की अधिकांश लोग प्रशंसा करते हैं। कई लोग तो उनकी सादगी और आध्यात्मिकता के साथ-साथ उनके प्यार व करुणा की भी सराहना करते हैं। कई लोगों को उनका स्वदेशी प्रेम पसंद आता है। गांधी के सत्य, अहिंसा और असहयोग के आदर्श और राष्ट्र की सेवा में उनके जीवन भर की भक्ति किसी उत्पीड़क के सामने भारतीयों को एकजुट करती देखी गई है। उनकी वैश्विक छाप इतनी शक्तिशाली है कि अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली पीढ़ियां शायद ही इस बात पर विश्वास करेंगी कि हाड़-मांस का ऐसा कोई कभी इस पृथ्वी पर चला था। गांधी के कई विचार और अनुभव जीवन को बदल देने वाले हैं। हालांकि, अगर मुझे एक विचार चुनना हो, जिसके गांधी जी बहुत शक्तिशाली प्रतीक हैं, तो वह है - 'वह बदलाव बनें, जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।' यह वर्तमान संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। एक विनाशकारी महामारी का सामना करने वाली दुनिया में और जलवायु परिवर्तन जैसी प्रमुख वैश्विक समस्या का मुकाबला करते हुए कई हिस्सों में संघर्ष करते हुए हम सभी अपने अनूठे उपायों से गांधीवादी हो सकते हैं। इस प्रकार, हम सभी ऐसे सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम कर सकते हैं, जिन्हें हम अपने आसपास देखना चाहते हैं। मैं एक छोटे से उदाहरण से शुरू करता हूं। उद्योग जगत के एक नेता के रूप में हमने स्वदेशी विचार को बढ़ावा देने की कोशिश की है। आधुनिक भारत के मंदिरों में से एक ओडिशा के अंगुल में हमारे इस्पात संयंत्र में हम सिर्फ स्वदेशी कोयले से कोयला गैसीकरण की स्वच्छ तकनीक का उपयोग करके इस्पात का उत्पादन कर रहे हैं। इस लेख में मैं इस बारे में और बात करना चाहूंगा कि कैसे गांधी-प्रेरित होकर मैंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपने छोटे-छोटे तरीकों में बदलाव लाने की कोशिश की है। बेशक, हम सभी वह बदलाव कर सकते हैं, जो हम अपने आस-पास देखना चाहते हैं। अमेरिका में एक छात्र के रूप में मैं गर्व से अपना राष्ट्रीय ध्वज लहराता था। जब मैं 1992 में पढ़ाई के बाद भारत वापस आया और रायगढ़, छत्तीसगढ़ में हमारे संयंत्र परिसर में तिरंगे को गर्व और सम्मान के साथ प्रदर्शित करना चाहा, तब मुझे 1993 में तत्कालीन ध्वज संहिता का हवाला देते हुए स्थानीय प्रशासन ने रोक दिया था। फिर मैंने एक नागरिक के रूप में तिरंगा फहराने के अपने अधिकार के लिए एक दशक लंबा कानूनी संघर्ष किया। साल 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में प्रत्येक भारतीय को अपने घर और अन्य निजी स्थानों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक कार्यालयों में गर्व व सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अनुमति दी। आप सभी से आग्रह करूंगा कि अपने प्रिय तिरंगे को प्रतिदिन प्रदर्शित करें और देश के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को प्रेरित हों। शिक्षा एक आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। गांधी जी ने हमें दिखाया है कि कैसे सीखने और तरक्की करने के लिए तैयार रहना चाहिए। 1909 व 1926 में उन्होंने लिखा था कि मशीनरी आधुनिक सभ्यता का प्रमुख प्रतीक है; यह पाप का प्रतिनिधित्व करता है। समय के साथ उन्हें इस मुद्दे की कहीं बेहतर समझ हुई, तब सन् 1934 में उन्होंने लिखा, मशीनीकरण तब अच्छा है, जब किसी कार्य को पूरा करने के लिए हाथ बहुत कम हों। हम सब बदलाव के एजेंट हो सकते हैं। अपनी व्यक्तिगत क्षमताओं में अपना-अपना काम लगन से करें, तो अपने सपनों के राष्ट्र का निर्माण करने में सक्षम होंगे। गांधी जी से प्रेरित हो हमें यह कहने में सक्षम होना चाहिए कि मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। मैं एक ऐसे भारत का सपना देखता हूं, जहां टैगोर की काव्य दृष्टि 'जहां मन भय रहित और सिर ऊंचा हो' के साथ गांधी के राष्ट्रवादी आदर्श हमारे सामूहिक भविष्य के निरंतर साथी हों।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एप्पल आईफोन 13 के प्लास्टिक रैप को हटाकर 600 टन प्लास्टिक का इस्तेमाल रोकेगी

नयी दिल्ली, प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एप्पल ने अपने आईफोन 13 की पैकेजिंग को फिर से डिजाइन किया है और बाहरी प्लास्टिक रैप को हटाकर वह 600 टन प्लास्टिक का इस्तेमाल रोकने में सक्षम होगी। एप्पल का लक्ष्य 2030 तक अपने पूरे व्यवसाय को कार्बन न्यूट्रल बनाना है। एप्पल ने आईफोन 13 के डिब्बे के प्लास्टिक रैप को पेपर टैब के साथ टियर-ऑफ स्ट्रिप के साथ बदल दिया है, इससे एक फायदा होगा कि सामान के साथ किया जाने वाले कोई भी छेड़छाड़ दिखाई देगी। कंपनी ने कहा, ''2030 तक, एप्पल का पूरा व्यवसाय कार्बन न्यूट्रल (शून्य कार्बन उत्सर्जन) होगा, आपूर्ति श्रृंखला से लेकर हमारे द्वारा बनाए जाने वाले हर उपकरण में ग्राहकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले पावर कस्टमर तक। इस साल, हमने आईफोन 13 की पैकेजिंग को फिर से डिजाइन करके पर्यावरण पर उसके प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।÷ प्रौद्योगिकी कंपनी ने कहा कि बाहरी प्लास्टिक रैप को खत्म करके, कंपनी उत्पादों के जीवनकाल में 600 टन प्लास्टिक से बचने जा रही है, जो इसे 2025 तक सभी पैकेजिंग से प्लास्टिक को पूरी तरह से हटाने के अपने लक्ष्य के करीब लाती है। गौरतलब है कि पिछले जुलाई में, एप्पल ने 2030 तक अपने पूरे व्यवसाय, विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला और उत्पाद जीवन चक्र में कार्बन न्यूट्रल बनने की अपनी योजना को शुरू किया था।

भारतीय कंपनियों की ऋण स्थिति में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में मजबूत सुधार- रेटिंग एजंसियां

मुंबई. कोविड-19 महामारी की भयावह दूसरी लहर के बावजूद भारतीय कंपनियों की ऋण स्थिति में चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान मजबूत सुधार देखा गया। ज्यादातर रेटिंग कंपनियों ने भारतीय कम्पनियों में गिरावट की बजाय सुधार दर्शाया। रेटिंग एजेंसियों के अनुसार कॉरपोरेट कंपनियों की स्थिति में सुधार मांग में तेजी और निरंतर सुधार को दर्शाती है। देश की तीन घरेलू रेटिंग एजेंसियों क्रिसिल रेटिंग्स, इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च और इक्रा रेटिंग्स ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन को लेकर अपनी-अपनी रिपोर्ट जारी की। क्रिसिल रेटिंग के अनुसार अप्रैल-सितंबर 2021 के बीच उसका ऋण अनुपात बढ़कर 2.96 गुना हो गया, जिसमे से 488 में सुधार और 105 में गिरावट हुई। वही इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने इस अवधि के लिए अपनी रिपोर्ट में 150 कंपनियों की स्थिति में सुधार और 49 की स्थिति में गिरावट दर्शाया। इंडिया रेटिंग्स ने तुलना के लिए वित्त वर्ष 2022 और वित्त वर्ष 2019 के प्रदर्शन को जोड़ा है, क्योंकि वित्त वर्ष 2019-2020 और 2020-21 कोविड महामारी के कारण प्रभावित रहा। इसके अलावा इक्रा रेटिंग्स ने 303 कंपनियों की रेटिंग जारी की, जिसमे दस प्रतिशत कंपनियों की ऋण स्थिति में सुधार दर्ज किया गया।

विश्व बैंक ने तमिलनाडु के लिए 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, विश्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसके कार्यकारी निदेशक मंडल ने चेन्नई को एक विश्व स्तरीय शहर बनाने के तमिलनाडु के विजन को साकार करने के लिए 15 करोड़ डॉलर (करीब 1,112 करोड़ रुपये) के कार्यक्रम को मंजूरी दी है। इसके अलावा, विश्व बैंक ने मेघालय के लिए चार करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 296 करोड़ रुपये) की परियोजना को अपनी मंजूरी दे दी है, जो राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करेगी और कोविड-19 महामारी सहित स्वास्थ्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए राज्य की क्षमता को मजबूत करेगी। विश्व बैंक ने एक बयान में कहा कि 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर का चेन्नई सिटी पार्टनरशिप- सस्टेनेबल अर्बन सर्विसेज प्रोग्राम संस्थानों को मजबूत करने, सेवा एजेंसियों की वित्तीय स्थिति में सुधार करने और चार प्रमुख शहरी सेवाओं - जल आपूर्ति और सीवरेज, परिचालन, स्वास्थ्य, और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार लाने में मदद करेगा। चेन्नई महानगर में लगभग 1.9 करोड़ लोग रहते हैं, जो भारत का चौथा सबसे अधिक आबादी वाला महानगरीय क्षेत्र है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का बड़ा बयान, बोले- Air India पर सरकार ने अभी तक नहीं किया कोई फैसला

नेशनल डेस्क।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि सरकार ने अभी तक एयर इंडिया पर कोई फैसला नहीं लिया है और एयरलाइन के अधिग्रहण के लिए अंतिम विजेता का चयन निर्धारित प्रक्रिया के जरिये किया जाएगा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं एक दिन पहले से दुबई में हूं और मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई निर्णय हुआ है। बेशक बोलियां आमंत्रित की गई थीं ... और इनका मूल्यांकन अधिकारियों द्वारा और नियत समय में किया जाता है। इसके लिए एक पूरी तरह से निर्धारित प्रक्रिया है जिसके माध्यम से अंतिम विजेता का चयन किया जाएगा।'' वह उन मीडिया खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि जिनमें कहा गया था कि टाटा कर्ज में डूबी एयर इंडिया के अधिग्रहण के लिए शीर्ष बोलीदाता के रूप में उभरी है। सरकार की ओर से निजीकरण का दायित्व संभालने वाले निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा था कि केंद्र ने अब तक एयर इंडिया के लिए किसी वित्तीय बोली को मंजूरी नहीं दी है। उन्होंने ट्वीट किया, ''एयर इंडिया के विनिवेश के मामले में भारत सरकार द्वारा वित्तीय बोलियों को मंजूरी देने वाली मीडिया रिपोर्ट गलत हैं। मीडिया को सरकार के फैसले के बारे में सूचित किया जाएगा।'' संयुक्त अरब अमीरात के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, फार्मा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में भारतीय कारोबारियों के लिए काफी अवसर हैं। उन्होंने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं दोनों क्षेत्रों में जबर्दस्त संभावनाएं हैं। निवेश पर उन्होंने कहा, ''हमें भारतीय व्यवसायों को यूएई के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।''

मारुति सुजुकी की बिक्री सितंबर में 46 प्रतिशत घटकर 86,380 इकाई रही

नयी दिल्ली, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की बिक्री सितंबर में 46.16 प्रतिशत घटकर 86,380 इकाई रह गई। एमएसआई ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल सितंबर में 1,60,442 इकाइयों की बिक्री की थी। बयान में कहा गया कि सितंबर 2020 में 1,52,608 इकाइयों के मुकाबले घरेलू बिक्री पिछले महीने 54.9 प्रतिशत घटकर 68,815 इकाई रह गई। कंपनी ने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी के कारण सितंबर 2021 में कंपनी की बिक्री पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। कंपनी ने प्रतिकूल प्रभाव को सीमित करने के लिए सभी संभव उपाय किए।''

वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड 71 लाख टन चीनी निर्यात; इस साल 60 लाख टन निर्यात की उम्मीद: इस्मा

नयी दिल्ली,

सरकार की वित्तीय सहायता और बेहतर मांग के कारण भारत का चीनी निर्यात, पिछले महीने समाप्त होने वाले 2020-21 के विपणन वर्ष में 20 प्रतिशत बढ़कर 71 लाख टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। उद्योग निकाय इस्मा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विपणन वर्ष 2019-20 (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी का निर्यात 59 लाख टन का हुआ था। एक चीनी सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के महानिदेशक अविनाश वर्मा ने कहा कि शुक्रवार से शुरू हो रहे 2021-22 के विपणन वर्ष में चीनी उत्पादन 3.1 करोड़ टन रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 85 लाख टन चीनी का शुरुआती स्टॉक मिलाकर चीनी की कुल उपलब्धता 3.95 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है। वर्मा ने कहा कि घरेलू खपत 2.65 करोड़ टन होना अनुमानित है, जबकि निर्यात 60 लाख टन होने का अनुमान है, इस विपणन वर्ष के अंत में समापन स्टॉक 70 लाख टन होगा। इस्मा के महानिदेशक ने बताया कि भारत में 2009-10 तक चक्रीय चीनी उत्पादन देखा गया था, लेकिन ÷भारत अब पिछले 10 वर्षों में संरचनात्मक अधिशेष चीनी उत्पादक देश बन गया है।'' इथेनॉल के बारे में बात करते हुए, वर्मा ने कहा कि वार्षिक उत्पादन क्षमता वर्ष 2018 के 3.5 अरब लीटर की वार्षिक क्षमता से बढ़कर वर्ष 2025 तक 14 अरब लीटर तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक 60 लाख टन अधिशेष चीनी को इथेनॉल में बदलने का लक्ष्य है। पेट्रोल के साथ इथेनॉल मिश्रण के बारे में, वर्मा ने कहा कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 3.25 अरब लीटर की आपूर्ति के साथ नवंबर में समाप्त होने वाले 2020-21 इथेनॉल विपणन वर्ष में सम्मिश्रण का स्तर 8.5 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। अगले 2021-22 इथेनॉल विपणन वर्ष में, ओएमसी को 4.25 अरब लीटर की आपूर्ति के साथ सम्मिश्रण स्तर 10 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।

गन्ना और चीनी की उच्च लागत की चुनौती को दूर करने के लिए वर्मा ने भारत में गन्ना मूल्य निर्धारण नीति को युक्तिसंगत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को गन्ने की कीमत तय नहीं करनी चाहिए और इसके बजाय गन्ने की कीमत को चीनी और उप-उत्पादों से प्राप्त राजस्व के साथ जोड़ना चाहिए।

केंद्र ने पूर्वव्यापी कर खंड को रद्द करने के लिए नियमों को किया अधिसूचित

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 को लागू करने के लिए नियमों को अधिसूचित किया है। इसके अनुसार, 1 अक्टूबर 2021 को अधिसूचित संशोधन विधेयक, विवादास्पद पूर्वव्यापी कर मांग प्रावधानों को समाप्त करने में सक्षम होगा। संसद के मानसून सत्र में इसे पारित कर दिया गया। गौरतलब है कि बिल की अधिसूचना से यूके की केयर्न एनर्जी और वोडाफोन पीएलसी के साथ लंबे समय से चल रहे कर विवादों के समाप्त होने की उम्मीद है। विधेयक ने आयकर अधिनियम, 1961 में संशोधन किया है ताकि यह प्रावधान किया जा सके कि भारतीय संपत्ति के किसी भी अप्रत्यक्ष हस्तांतरण के लिए उक्त पूर्वव्यापी संशोधन के आधार पर भविष्य में कोई कर मांग नहीं उठाई जाएगी, यदि लेनदेन 28 मई, 2012 से पहले किया गया था - जब वित्त विधेयक 2012 में संसद द्वारा पारित किया गया था। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, 2021 अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि 28 मई 2012 से पहले की गई भारतीय संपत्ति के अपतटीय अप्रत्यक्ष हस्तांतरण की मांग को निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करने पर रद्द कर दिया जाएगा। इसके अलावा, इन मामलों में भुगतान या एकत्र की गई राशि बिना किसी ब्याज के वापस की जाएगी। यह विधेयक केयर्न एनर्जी और वोडाफोन पीएलसी की मध्यस्थता को दूर करने और सरकार के साथ लंबे समय से चले आ रहे कर विवादों को निपटाने के लिए भूमिका निभाएगा। हेग में एक मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने केयर्न एनर्जी पीएलसी और केयर्न यूके होल्डिंग्स लिमिटेड (सीयूएचएल) के पक्ष में 21 दिसंबर, 2020 को अपना फैसला सुनाया था, जिससे भारत सरकार 1.2 अरब डॉलर के मध्यस्थता पुरस्कार का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी थी। हाल ही में, सरकार ने संसद में पुष्टि की कि एक फ्रांसीसी अदालत ने केयर्न मध्यस्थता पुरस्कार से संबंधित मामले में भारत सरकार की कुछ संपत्तियों को फ्रीज करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, वोडाफोन मध्यस्थता मामले में, हेग में स्थायी मध्यस्थता अदालत ने पिछले साल कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया था। अदालत ने फैसला सुनाया कि भारत के कर विभाग का आचरण निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यवहार का उल्लंघन है, जिससे वोडाफोन भारतीय अधिकारियों द्वारा उठाए गए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पूर्वव्यापी कर मांग का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं है।

बैंक ऑफ बड़ौदा सस्ते घर कर रहा नीलाम

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) एक खास ऑफर लेकर आया है, जिसमें आपको सस्ते में घर खरीदने का मौका मिल रहा है। बीओबी प्रापर्टी की नीलामी करने जा रहा है। जो 08 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। बता दें ये वो प्रापर्टी हैं जो डिफॉल्ट की लिस्ट में आ चुकी हैं। इसमें रेसिडेंशियल, कॉमर्शियल, इंडस्ट्रियल, एग्रीकल्चर प्रापर्टी शामिल हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडिल पर ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी है। बैंक ने ट्वीट में लिखा कि 08 अक्टूबर, 2021 को मेगा ई ऑक्शन किया जाएगा। इसमें आवासीय और वाणिज्यिक संपत्ति की ई नीलामी की जाएगी। आप यहां पर उचित मूल्य पर प्रापर्टी खरीद सकते हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा के मेगा ई ऑक्शन के लिए इच्छुक बिडर को ई-बीकेआरएवाय पोर्टल एचटीटीपीएसः//आईबीएपीआईडाटइर पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इस पोर्टल पर बिडर्स रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करने के बाद मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के जरिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा। बिडर को जरूरी केवायसी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। दस्तावेज ई-नीलामी सर्विस प्रोवाइडर द्वारा वेरिफाई किए जाएंगे। बता दें जिन भी प्रापर्टी के मालिकों ने उनका लोन नहीं चुकाया है। ये किसी कारणवश नहीं दे पाएं हैं। उन सभी लोगों की जमीन बैंकों के द्वारा अपने कब्जे में ले ली जाती हैं।

150 डॉलर से शुरू होगा माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2021, 5 अक्टूबर से मिलेगा

सेन फ्रांसिस्को।

माइक्रोसॉफ्ट के सॉफ्टवेयर सूट को 5 अक्टूबर को विंडोज 11 के रोलआउट के साथ अपग्रेड मिल रहा है, और इसमें ऑफिस होम और स्टूडेंट 2021 और ऑफिस होम और बिजनेस 2021 शामिल हैं।एनगेजेट की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, वननोट और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स को अनलॉक करने वाले ऑफिस होम एंड स्टूडेंट की कीमत 150 डॉलर होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऑफिस होम एंड बिजनेस आउटलुक को उस सूची में जोड़ता है और इन ऐप्स को व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का अधिकार देता है और इसकी कीमत 250 डॉलर है। इस वर्ष के लॉन्च के साथ, माइक्रोसॉफ्ट365 सदस्यता सेवा के कुछ अतिरिक्त उपकरण कार्यालय में अपना रास्ता बना रहे हैं, जैसे सह-लेखन जैसी सहयोग सुविधाएँ और फाइलों के संपादित होने पर स्वचालित अपडेट भेजने की क्षमता है। कई ऐप एक नया रूप प्राप्त कर रहे हैं, साथ ही, गोल खिड़की के कोनों और एक तटस्थ रंग पैलेट के साथ। डिजिटल फेसलिफ्ट प्राप्त करने वाले प्रोग्राम हैं वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, वननोट, आउटलुक, एक्सेस, प्रोजेक्ट, पब्लिशर और विज़ियो। अपडेटेड लुक विंडोज 10 यूजर्स के लिए भी लाइव होगा।

माइक्रोसॉफ्ट 365 और ऑफिस बंडल में कंपनी के वीडियो-चैट ऐप टीम्स भी शामिल होंगे। विंडोज 11 में पहले से ही टीमें शामिल हैं, लेकिन यह कदम ऐप को विंडोज 10 और मैकओएस पर भी लाता है।

सेबी ने राइट इश्यू को लेकर अनुपालन के लिए छूट बढ़ायी

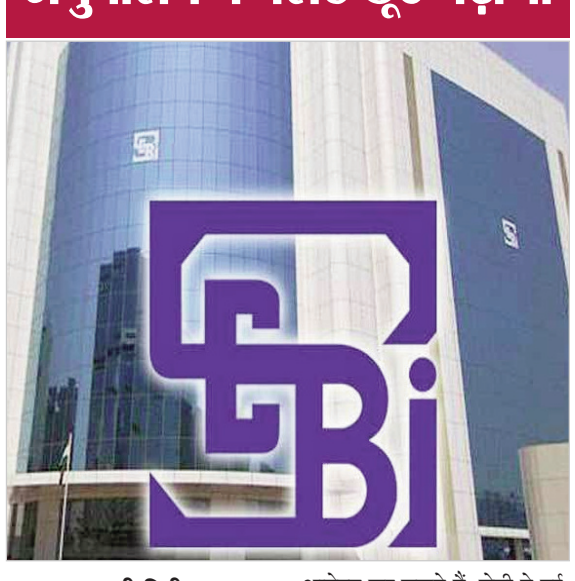

नयी दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को 31 मार्च, 2022 तक खुलने वाले राइट्स इश्यू से जुड़े प्रकिया संबंधी नियमों के अनुपालन को लेकर कंपनियों के लिए छूट बढ़ा दी है। 'इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स नॉर्म्स' के अनुसार राइट इश्यू के लिए आवेदन केवल एएसबीए (ऐप्लिकेशन सपोर्टेड बाई ब्लॉक्ड अमाउंट) प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। हालांकि, कोविड-19 महामारी के कारण और यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी पात्र शेयरधारक ऐसे समय के दौरान राइट इश्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं, सेबी ने मई 2020 में कहा था कि इश्यू जारी करने वाला, इश्यू के प्रमुख प्रबंधक, रजिस्ट्रार और अन्य मान्यता प्राप्त बिचौलियों के साथ शेयरधारकों के आवेदनों को स्वीकार करने के लिए एक वैकल्पिक तंत्र (केवल गैर-नकद माध्यम) स्थापित करेगा।

ऐसा यह सुनिश्चित करने के अधीन होगा कि किसी भी आवेदन के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के भुगतान की अनुमति नहीं दी जाएगी। सेबी ने एक परिपत्र में कहा कि यह छूट अब और बढ़ा दी गई है और यह 31 मार्च, 2022 तक खुलने वाले राइट इश्यू पर लागू होगी।

ओडिशा ने सितंबर में जीएसटी संग्रह में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

भुवनेश्वर।

अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि ओडिशा ने पिछले साल की तुलना में सितंबर 2021 के महीने में जीएसटी संग्रह में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। ओडिशा वाणिज्यिक कर कार्यालय और जीएसटी आयुक्त ने एक बयान में कहा, राज्य ने पिछले महीने 3,325.94 करोड़ रुपये एकत्र किए, जबकि पिछले साल सितंबर में 2,383.99 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। यह देश के सभी प्रमुख राज्यों में जीएसटी की उच्चतम वृद्धि दर है। चालू वित्त वर्ष के सितंबर तक प्रगतिशील जीएसटी संग्रह 20,303.86 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले वित्त वर्ष के सितंबर तक 12,272.98 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ, जिससे 65.44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी तरह, ओडिशा जीएसटी (ओजीएसटी) के संग्रह में 48 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। सितंबर 2020 के दौरान 631.08 करोड़ रुपये के संग्रह के मुकाबले सितंबर महीने के दौरान ओजीएसटी संग्रह 929.68 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2021-22 के सितंबर तक ओजीएसटी का प्रगतिशील संग्रह 5,766.43 करोड़ रुपये था, जबकि राज्य ने पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि के दौरान 3,671.45 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। प्रगतिशील ओजीएसटी संग्रह ने सितंबर तक 57.06 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इसी तरह, सितंबर, 2021 के दौरान सीजीएसटी में 772.93 करोड़ रुपये, आईजीएसटी में 996.48 करोड़ रुपये और उपकर में 626.85 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ। सीजीएसटी के संग्रह में 55.46 प्रतिशत, आईजीएसटी में 30.56 प्रतिशत और 27.28 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक अधिकारी ने कहा कि अगस्त के दौरान यह वृद्धि 5 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाले डीलरों द्वारा बेहतर अनुपालन के साथ-साथ गैर-फाइलर मूल्यांकन की अनुवर्ती कार्रवाई और गलत रिटर्न दाखिल करने वालों के मामले में रिटर्न जांच का परिणाम है। मैन्युफैक्चर रिंग के साथ-साथ खनन क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन और परिपक्व जीएसटी से संग्रह के कारण कर अधिकारियों द्वारा रिटर्न की जांच के बाद मांग की गई। उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियों के अलावा, चोरी-रोधी गतिविधियां, विशेष रूप से नकली बिलर्स के खिलाफ कार्रवाई भी जीएसटी संग्रह को बढ़ाने में योगदान दे रही है।

फिल्म अभिनेत्री कांगना रनौत को यूपी सरकार ने बनाया ओडीओपी का ब्रांड एम्बेसडर

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने फिल्म अभिनेत्री कांगना रनौत को अपनी अति महत्वकांक्षी योजना एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) का ब्रांड एम्बेसडर बनाया है।

अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि फिल्म अभिनेत्री कांगना रनौत ने मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की और उन्हें मुख्यमंत्री ने ओडीओपी उत्पाद भेंट किया। उन्होंने बताया कि वह ओडीओपी की ब्रांड एम्बेसडर होंगी। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा शुरू की गई एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के जरिए यूपी के एक-एक जिले के उद्यम कौशल का डंका दुनिया में बजाने के लिए कई प्रयास शुरू हुए हैं। एक जिला एक उत्पाद योजना को प्रदेश सरकार ने यूपी के स्वदेशी और विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए शुरू की गयी है। जिलों में पारंपरिक शिल्प एवं लघु उद्यमों के संरक्षण के लिए और उसमें अधिक से अधिक रोजगार सृजन के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लॉन्च किया था। इस योजना का उद्देश्य है कि यूपी के हर जिलों का अपना एक प्रोडक्ट होगा, जो उस जिले की पहचान बनेगा।

यह बिजनेस सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की श्रेणी में रखा गया है। एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत राज्य के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के भी अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

केकेआर की प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद तोड़ने उतरेगा सनराइजर्स

दुबई।(एजेंसी)।

प्ले आफ की दौड़ से बाहर हो चुकी अंतिम स्थान पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीद तोड़ने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स की टीम 11 मैचों में नौ हार के साथ अंतिम स्थान पर है जबकि केकेआर ने 12 मैचों में 10 अंक के साथ अभी अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा है। यूएई में आईपीएल बहाल होने के बाद सनराइजर्स की टीम चार मैचों में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है। सनराइजर्स ने लगातार पांच हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आसान जीत दर्ज की लेकिन शारजाह में पिछले मैच में टीम को छह विकेट से हार झेलनी पड़ी जिससे चेन्नई सुपरकिंग्स प्ले आफ में जगह बनाने में सफल रही। सनराइजर्स ने आईपीएल खिताब (2016 में) जीतने वाली अपनी टीम के कप्तान डेविड वार्नर अंतिम एकादश में मौका नहीं दिया लेकिन इस बदलाव के बावजूद केन विलियमसन की टीम जीत दर्ज नहीं कर पाई। बल्लेबाजी सनराइजर्स का कमजोर पक्ष है। विशेषकर जॉनी बेयरस्टो की गैरमौजूदगी में।

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने पदार्पण करते हुए 60 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली थी और विलियमसन ने भी 51 रन बनाथे जिससे टीम ने रॉयल्स को हराया था लेकिन सुपरकिंग्स के खिलाफ पिछले मैच में दोनों नाकाम रहे। रिद्धिमान साहा ने 46 गेंद में 44 रन की पारी खेली लेकिन सनराइजर्स सुपरकिंग्स के खिलाफ अंतिम पांच ओवर में सिर्फ 37 रन ही बना सके। सनराइजर्स को अगर सत्र का सकारात्मक अंत करना है तो प्रियम गर्ग, अभिषेक शर्मा और अब्दुल समद जैसे उसके भारतीय खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गेंदबाजी में जेसन होल्डर ने प्रभावित किया है लेकिन सीनियर भारतीय गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और सिद्धार्थ कौल ने निराश किया है। लेग स्पिनर राशिद खान किसी भी विरोधी के खिलाफ टीम के सबसे बड़े हथियार होते हैं लेकिन अधिकतर मैचों में उन्हें बचाव करने के लिए पर्याप्त रन नहीं मिल रहे। दो बार के चैंपियन केकेआर ने यूएई चरण में बेहतर प्रदर्शन किया है। टीम ने तीन मैच जीते जबकि दो गंवाए हैं। केकेआर के लिए दूसरे चरण में बल्ले से वेंकटेश अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया है जबकि राहुल त्रिपाठी ने इस सत्र में टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाए हैं। नितीश राणा को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर खिलाने का भी फायदा मिला है लेकिन

शुभमन गिल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं।

गेंदबाजी में वरूण चक्रवर्ती और सुनील नारायण अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आंद्रे रसेल और लॉकी फर्ग्युसन के चोटिल होने के कारण हालांकि टीम में बदलाव करने पड़े। कप्तान इयोन मोर्गन बल्ले से लगातार विफल हो रहे हैं और टीम को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। टिम साउथी और शिवम मावी केकेआर के लिए नई गेंद संभाल रहे हैं। प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और सुपरकिंग्स के खिलाफ 19वें ओवर में 22 रन खर्च करने के बाद उन्हें अंतिम एकादश से बाहर किया गया।

महिला मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा इस्तांबुल, पुरूषों के समान होगी पुरस्कार राशि

रियो दि जिनेरियो (एजेंसी)।

लुसाने। महिलाओं की मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप दिसंबर के शुरू में इस्तांबुल में करायी जायेगी जिसमें कुल 2.6 करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि दी जायेगी जो पुरूषों की प्रतियोगिता के बराबर ही है। खेल की विश्व संचालन संस्था लैंगिक समानता हासिल करना चाहती है और यह कदम इसी कड़ी में उठाया गया है। यह घोषणा एआईबीए अध्यक्ष उमर क्रेमलेव के इस्तांबुल के आधिकारिक दौरे के दौरान खेल की शीर्ष संस्था और तुर्की मुक्केबाजी महासंघ के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद की। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''आधिकारिक रूप से पुष्टि की जाती है कि एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप तुर्की के इस्तांबुल में आयोजित की जायेगी।'' क्रेमलेव ने कहा, ''मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप यहां इस्तांबुल में होगी।''

उन्होंने खेल में लैंगिक समानता हासिल करने पर जोर दिया और कहा, ''मुक्केबाजी खेल में लैंगिक समानता हासिल करना हमारे मुख्य लक्ष्यों में से एक है। मुझे यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि इसमें पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि पुरूष विश्व चैम्पियनशिप की पुरस्कार राशि के बराबर ही होगी।'' उन्होंने कहा, ''एआईबीए के 75 साल के इतिहास में पहली बार पदक विजेताओं को एआईबीए से इतनी पुरस्कार राशि दी जायेगी।'' क्रेमलेव ने कहा, ''इसमें 2.6 करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि होगी जिसमें प्रत्येक वजन वर्ग में पहले स्थान पर रहने वाली मुक्केबाज को 100,000 डॉलर मिलेंगे। रजत पदक विजेताओं को 50,000 डॉलर और कांस्य पदक जीतने के लिये 25,000 डॉलर मिलेंगे।'' विश्व चैम्पियनशिप के लिये भारतीय महिला टीम की घोषणा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के बाद की जायेगी जो हरियाणा के हिसार में 21 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होगी।

टी-20 विश्वकप में हार्दिक कर पाएं गेंदबाजी इस कारण मुंबई दे रही है बलिदान

दुबई। जैसा कि अंदेशा था इस बार भी मुंबई इंडियन्स के कप्तान रोहित शर्मा ने हार्दिक पांड्या को गेंद नहीं थमाई। दिल्ली से हुए मुकाबले में कुल 6 गेंदबाजों ने गेंद डाली लेकिन हार्दिक से एक भी ओवर नहीं कराया गया।

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने का मानना है कि आलराउंडर हार्दिक पांड्या को मौजूदा आईपीएल में गेंदबाज़ी करने के लिए 'बहुत ज़्यादा' दबाव डालना उनकी बल्लेबाज़ी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। हालांकि सनराइज़र्स हैदराबाद से हुए मुकाबले को छोड़ दे तो अब तक वह बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। दिल्ली से हुए मैच में भी वह 17 रन बनाकर आवेश खान की गेद पर बोल्ड हो गए।

मुंबई और भारतीय टीम मैनेजमेंट रोज ले रहा है जायजा

जयवर्धने ने मैच शुरु होने से पहले कहा था कि हार्दिक की फ़िटनेस और गेंदबाज़ी की तैयारी को लेकर फ्रेंचाइज़ी भारतीय टीम प्रबंधन के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि हार्दिक की फ़िटनेस का दैनिक आधार पर 'मूल्यांकन' किया जा रहा था, लेकिन जब तक ये ऑलराउंडर पूरी तरह से तैयार नहीं हो जाता, तब तक मुंबई उन्हें गेंदबाज़ी करने के लिए नहीं कहेगी।

जयवर्धने ने कहा, 'क्योंकि हार्दिक ने श्रीलंका दौरे के बाद से लंबे समय तक गेंदबाज़ी नहीं की है। इससे पहले कि उन्हें एक और परेशानी हो हम उस प्रक्रिया में क़ामयाब होने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे वह गुज़र रहे हैं। यह हार्दिक के लिए सबसे अच्छा है।' वह शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के साथ मुंबई के मैच से पहले पत्रकार वार्ता में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा 'और हां, मैं समझता हूं विश्व कप भी है। हम भारतीय प्रबंधन टीम से बात कर रहे हैं और सुनिश्चित करते हैं कि जितनी जल्दी वह सहज महसूस करे, हम उसे गेंदबाज़ी कार्यक्रम में ले जाएं और उसे तैयार करें।'

अक्टूबर 2019 में पीठ की सर्जरी से वापसी के बाद से हार्दिक ने 41 मैचों में सिर्फ़ 46 ओवर ही फेंके हैं। इस अवधि में, उन्होंने सिर्फ़ सफ़ेद गेंद वाली क्रिकेट खेली है, हालांकि वह इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ घरेलू टेस्ट सीरीज़ के लिए टीम में थे। हार्दिक ने पिछली बार 25 जुलाई को श्रीलंका में टी-20 सीरीज़ के दौरान गेंदबाज़ी की थी, तब उन्होंने दो ओवर किए थे।

हार्दिक ने 2020 के आईपीएल के बाद से मुंबई के लिए गेंदबाज़ी नहीं की है और विशुद्ध बल्लेबाज़ के रूप में खेले हैं। हालांकि इससे मुंबई की गेंदबाज़ी रणनीति प्रभावित हुई है, जयवर्धने ने कहा कि आईपीएल के तुरंत बाद शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए हार्दिक भारतीय टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में फ्रेंचाइज़ी धैर्य रखना जारी रखेगी।

न केवल मुंबई, बल्कि भारतीय टीम प्रबंधन, साथ ही राष्ट्रीय चयनकर्ता भी हार्दिक की गेंदबाज़ी फ़िटनेस की निगरानी करेंगे, क्योंकि भारत ने 15 की प्रारंभिक टीम में केवल तीन विशेषज्ञ तेज़ गेंदबाजों को चुना है। टीम की घोषणा करते समय, मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा ने कहा था कि हार्दिक 'फ़िट' थे और विश्व कप के दौरान 'अपने ओवरों का पूरा कोटा डालेंगे।'

हालांकि, आईपीएल के दूसरे चरण में मुंबई ने अब तक जो चार मैच खेले हैं, उनमें से हार्दिक अंतिम दो मैचों में विशुद्ध बल्लेबाज़ के रूप में भी पहले दो मैच से बाहर हो गए, लेकिन जयवर्धने ने कहा कि हार्दिक अब भी एक बल्लेबाज़ के तौर पर 'ख़ास' हैं।

मुंबई से जंग जीतकर दिल्ली पहुंची प्लेऑफ के टॉप 2 पर, 4 विकेट से जीता मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स ने एक बार फिर उच्च कोटि की क्रिकेट का प्रदर्शन करके एक रोचक मैच में मुंबई इंडियन्स को 4 विकेट से हरा दिया। कांटे के चले इस मैच में श्रेयस अय्यर अंत तक टिके रहे और यह सुनिश्चित किया कि न केवल दिल्ली प्लेऑफ में पहुंचे बल्कि प्लेऑफ की शीर्ष दूसरी टीम बने क्योंकि चेन्नई पहले ही क्वालिफाय कर चुकी है।

तेज गेंदबाज आवेश खान और लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल के तीन-तीन विकेटों और श्रेयस अय्यर की 33 रन की नाबाद पारी और रविचंद्रन अश्विन के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शानदार छक्के से दिल्ली कैपिटल्स ने गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को आईपीएल मुकाबले में शनिवार को चार विकेट से हराकर मुम्बई के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

दिल्ली ने मुंबई को 20 ओवर में आठ विकेट पर 129 रन पर रोकने के बाद 19.1 ओवर में छह विकेट पर 132 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की 12 मैचों में यह नौवीं जीत है और वह 18

अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है। दूसरी तरह मुंबई की 12 मैचों में यह सातवीं हार है और वह 10 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। मुंबई को अब प्लेऑफ में जाने के लिए शेष दो मैच जीतने होंगे, दूसरी टीमों के परिणामों को भी देखना होगा और अपने रन रेट में भी सुधार करना होगा।

दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा 10 गेंदों में एक चौके के सहारे सात रन बनाकर आवेश का शिकार बन गए। क्विंटन डी कॉक 18 गेंदों में एक चौके और एक छक्के के सहारे 19 रन बनाकर अक्षर की गेंद पर आउट हुए।

सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 33 रन बनाये और वह अक्षर का दूसरा शिकार बने। सौरभ तिवारी 18 गेंदों में एक चौके की मदद से 15 रन बनाकर अक्षर का तीसरा शिकार बने। कीरोन पोलार्ड को एनरिक नोर्त्जे ने बोल्ड किया। पोलार्ड ने नौ गेंदों पर छह रन बनाये। आवेश ने 19 वें ओवर में हार्दिक पांड्या और नाथन कॉल्टर नाइल को बोल्ड किया। पांड्या ने 18 गेंदों पर 17 रन में दो चौके लगाए।

लियोनेल मेसी के घर से लाखों रूपये के गहने और नगदी हुई चोरी, कमरे की छत तोड़कर दिया घटना को अंजाम

नयी दिल्ली। दुनिया के सबसे लोकप्रिय स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के घर से लाखों रूपये का सामान चोरी कर चोर फरार हो गए। जिस वक्त चोरी हुई उस वक्त मेसी अपने क्लब के लिए पीएसजी चैम्पियन लीग खेल रहे थे। PSG चैम्पियन लीग के समय उनका परिवार, पत्नी और तीन बच्चे भी उनके साथ पेरिस में ही थे। इसी दौरान चोरों ने उनके घर में वारदात को अंजाम दिया।रिपोर्ट के अनुसार चोरों ने कमरे छत तोड़कर कमरे में प्रवेश किया और तकरीबन 30 लाख रुपये के गहने और कमरे में मौजूद कैश अपने साथ ले गए। घटना के समय फुटबॉलर मेसी अपने परिवार के साथ पेरिस में थे जहां वो अपने क्लब की ओर से खेले जाने वाले पीएसजी चैम्पियन लीग में भाग ले रहे हैं।

दरअसल जिस होटल में मेसी का सामान चोरी हुआ है वहां उन्होंने चार कमरे लिए हुए थे। जिसका किराया 17 लाख रुपये है। जानकारी के मुताबिक कमरे के ऊपर वाले फ्लोर में किसी कमरे की बालकनी खुली हुई थी यहीं से चोरों ने होटल में प्रवेश किया और कमरे की छत तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। अनके कमरे से चोरी हुए गहनों की कीमत 29.64 लाख और नगदी की कीमत 11.11 रुपये बताई जा रही है। आपको बता दें कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय और अमीर खिलाड़ियों में से एक मेसी के पास अभी खुद का घर नहीं है कुछ समय पहले ही अपने पुराने क्लब बार्सिलोना को छोड़कर में क्वस्त क्लब शामिल हुए हैं इसलिए वे अभी तक खुद के घर में शिफ्ट नहीं हो पाएं हैं। मामले की जांच कर रही पुलिस और होटल की ओर से आये बयान में कहा गया है कि मामले की जांच हो रही है। आपको बता दें कि इस होटल में मेसी और उनके परिवार के आने के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई थी और मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ अपनी टीम को जिता कर लौटने बाद क्रैश बैरियर भी लगाए गए थे। फिलहाल खबरों के अनुसार कहा जा रहा है कि मेसी ने एक घर के लिए लीज़ साइन की है और वे परिवार के साथ जल्द ही उस घर में शिफ्ट होने की तैयारी में हैं।

डे नाइट टेस्ट के तीसरे दिन भारत की पकड़ मजबूत, 143 रनों पर ऑस्ट्रेलिया के 4 विकेट गिराए

गोल्ड कोस्ट (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां भारत के खिलाफ बारिश से प्रभावित एकमात्र दिन-रात्रि महिला क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक पहली पारी में चार विकेट पर 143 रन बना लिये।भारत ने पहली पारी आठ विकेट पर 377 रन पर घोषित की थी जिससे आस्ट्रेलियाई टीम 234 रन से पीछे चल रही है।

एलिस पैरी 27 और एशले गार्डनर 13 रन बनाकर खेल रही हैं।भारतीय गेंदबाज झूलन गोस्वामी और पूजा वस्त्राकर ने दो दो विकेट झटके।

10 रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं मॉर्गन, क्या करेंगे टी-20 विश्वकप में? ट्विटर पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल का पहला भाग हो या दूसरा कुछ नहीं बदला है तो कोलकाता नाइट राइडर्स और इंग्लैंड के कप्तान इयॉन मॉर्गन का फॉर्म। मॉर्गन का फॉर्म भारत के खिलाफ सीरीज के बाद आईपीएल के पहले भाग में और फिर अब दूसरे भाग में भी खराब ही है। दूसरे भाग में तो वह दोहरे आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए हैं। इस सीजन की पिछली 11 पारियों में वह सिर्फ 10 की औसत से रन बना चुके हैं। सिर्फ 109 रन कोलकाता के कप्तान ने बनाए हैं। इसमें से लगभग आधे रन (47) पंजाब के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने बनाए थे।इसके सहित सिर्फ 2 बार ही वह दोहरे आंकड़े तक पहुंच पाए हैं। इयॉन मॉर्गन के इस खराब फॉर्म पर ट्विटर के यूजर्स के काफी ट्वीट्स आए। ज्यादातर ट्विटर यूजर्स का मानना था कि ऐसे फॉर्म में वह एक खिलाड़ी के तौर पर भी उनकी जगह इंग्लैंड टीम में नहीं बनती तो फिर वह टीम की अगुवाई क्या करेंगे।

नीरज चोपड़ा का नया वीडियो वायरल, पानी के अंदर की जैवलिन फेंकने की एक्टिंग

नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा ने जबसे टोक्यो ओलंपिक में जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता है तब से उनका हर अंदाज सुर्खियां बन रही हैं। उनकी फैन फॉलॉइंग भी काफी ज्यादा हो गई है। हाल ही में उन्होंने विज्ञापन की दुनिया में प्रवेश किया इसके बाद टीवी के शो में। पहले वह अमिताभ बच्चन के साथ केबीसी में दिखे और हॉटसीट पर बैठकर सवाल के जवाब देते हुए दिखे तो डांस इंडिया डांस में भांगड़ा करते हुए भी दिखे। लेकिन आज उन्होंने एक कमाल का वीडियो शेयर किया है। नीरज चोपड़ा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो डाला है जिसमें वह पानी के अंदर जैवलिन फेंकने का नाट्य रूपातंरण करते हुए दिखे हैं। उन्होंने अपने कैप्शन में लिखा कि आसमान पर या जमीन पर या फिर पानी के अंदर मैं जैवलिन के बारे में ही सोचता हूं। ट्रेनिंग शुरु हो गई है।स्कूबा डायविंग करते हुए नीरज चोपड़ा का यह वीडियो उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

पिछले चार मैच हमारी युवा टीम के लिये अच्छी सीख : राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब किंग्स के कप्तान के एल राहुल ने माना कि यूएई में खेले गये इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले चार मैचों से उनकी टीम को अच्छी सीख मिली, जिनमें से दो में उसे करीबी अंतर से जीत जबकि दो में हार मिली।

राहुल ने पंजाब की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पांच विकेट से जीत के बाद कहा, ''सभी जानते हैं कि हमारी टीम बहुत बेहतर है।स्वयं पर दबाव डालने से मदद नहीं मिल रही थी। यूएई में पिछले चार मैच शानदार उदाहरण हैं। यह हमारे जैसी युवा टीम के लिये अच्छा सबक हैं।''

उन्होंने कहा कि केकेआर के खिलाफ उनकी टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया और वह जीत की हकदार थी। अपनी 67 रन की कप्तानी पारी के लिये मैन ऑफ द मैच चुने गये राहुल ने कहा, ''हमने बेहतरीन खेल दिखाया। हमें अहसास हो गया था कि यह अच्छा विकेट है। इसमें अधिक स्पिन नहीं थी। वास्तव में खुश हूं कि हम जीत दर्ज करके दो अंक हासिल करने में सफल रहे।'' केकेआर ने कई कैच टपकाये और उसके कप्तान इयोन मोर्गन ने बाद में स्वीकार किया कि लचर क्षेत्ररक्षण का उनकी टीम को खामियाजा भुगतना पड़ा। मोर्गन ने कहा, ''हमने अच्छा क्षेत्ररक्षण नहीं किया और कैच टपकाये। स्वयं मैंने शुरू में कैच छोड़ा। इस विकेट पर हमारा स्कोर बराबरी का था। हमने संघर्ष किया और वापसी की लेकिन कैच छोड़ने का खामियाजा भुगता।'' राहुल त्रिपाठी ने 19वें ओवर में केएल राहुल का कैच ले लिया था लेकिनतीसरे अंपायर ने बल्लेबाज के पक्ष में फैसला दिया।

मोर्गन ने कहा, ''मेरा मानना था कि त्रिपाठी का कैच सही था लेकिन करीब से देखने पर तीसरे अंपायर को इसका उलटा लगा। हम उनके फैसले से सहमत थे। उम्मीद है कि बाकी बचे दो मैचों में हम अच्छा खेल दिखाकर प्लेऑफ में जगह बनाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

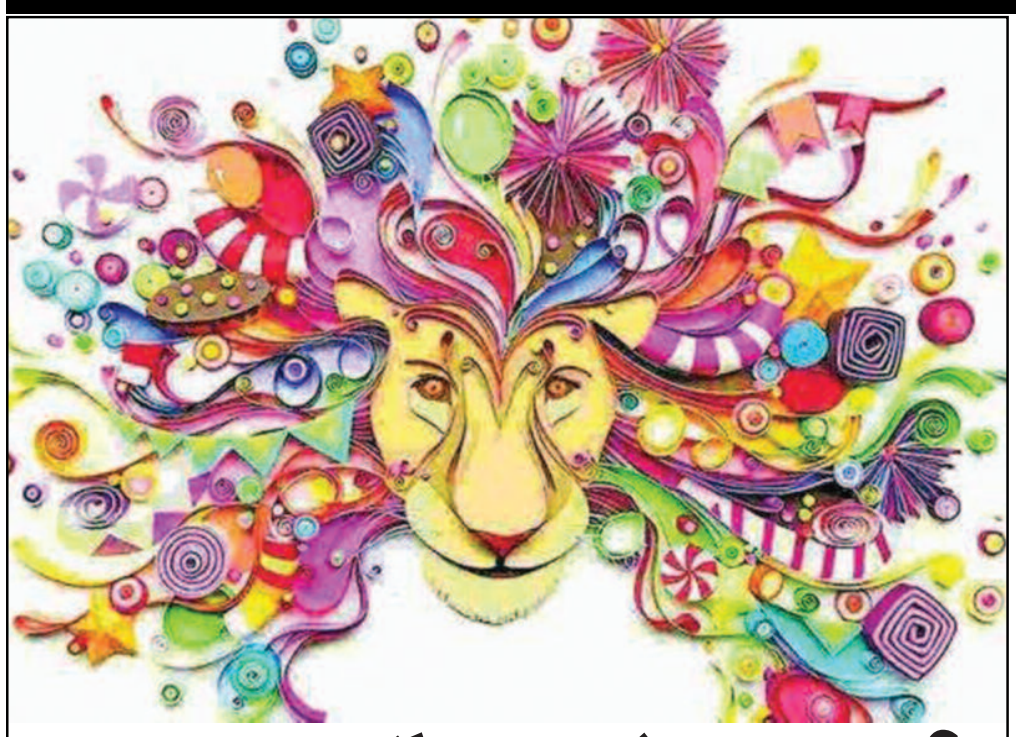

गजब का है यह पेपर आर्ट पेपर क्विलिंग

मॉस्को की 34 साल की यूलिया ब्रोद्सकाया ने पेपर और गोंद की मदद से इन अचंभित कर देने वाली रंगीन रचनाओं को उकेरा है। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि ये तस्वीरें बोलती हैं। यूलिया को पेपर से बनाई जाने वाली ड्रॉइंग के साथ उनमें जान डाल देने वाले कलाकार के तौर पर भी जाना जाता है। इसे थ्रीडी ड्रॉइंग का नाम दिया जाए तो गलत नहीं होगा। यूलिया तीन स्टेप्स को फॉलो कर इन चित्रों को जीवंत रूप देती हैं। पहला स्टेप है पेपर काटना, दूसरा है फोल्ड करना और तीसरा है गोंद की मदद से फोल्ड किए हुए पेपर को किसी सतह पर चिपका एक नया रूप देना। इस आर्ट को पेपर क्विलिंग कहा जाता है।

अठारहवीं सदी में हुई थी पेपर क्विलिंग की शुरुआत

तुम्हें बता दें कि इस कला की शुरुआत अठारहवीं सदी में ही हो गई थी। दरअसल नन और भिक्षुओं द्वारा किताबों के कवर को सुंदर बनाने के लिए पेपर की सहायता से यही कलाकारी की जाती थी। तभी से यह कला प्रचलित हो गई।

यहां से मिली इस कला की प्रेरणा

यूलिया को इस कलाकारी का आइडिया तब आया, जब दस साल पहले उन्हें एक ब्रोशर में अपने नाम को अलग तरीके से लिखना था, कुछ ऐसा, जो उसकी कलाकारी को दर्शाता हो। कई वर्षों बाद उन्हें स्कूल के समय के दिनों में बनाए गए एक प्रोजेक्ट की याद आई, जिसमें उन्होंने पेपर क्विलिंग का इस्तेमाल किया था। बस फिर क्या था, उन्होंने उसी तरीके का इस्तेमाल कर ब्रोशर तैयार किया, जो लोगों को काफी पसंद आया। तभी से उन्होंने इस तकनीक का इस्तेमाल कर अलग प्रकार के चित्र बनाने शुरू किए।

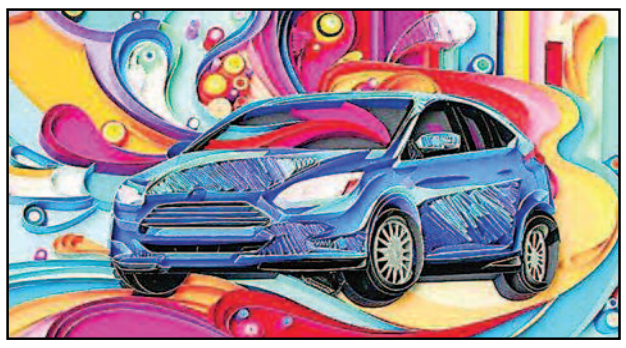

रंग बदलने में माहिर हैं ये जीव

दोस्तों, रंग बदलने वाले जीव-जंतु सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। ये ऐसा क्यों और कैसे करते हैं, तुम्हें इस बार बता रहे हैं। गिरगिट के अलावा भी ऐसे बहुत से जीव हैं, जो रंग बदलने में माहिर हैं। इन जीवों में फ्लाउंडर, मिमिक ऑक्टोपस, पीकॉक फ्लाउंडर, टोन स्पाइडर, ट्री फ्रॉग, गोल्डन टॉरटॉइज बीटल और स्कविड प्रजाति की कई मछलियां हैं। रंग बदलने की क्षमता को उनकी बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। इन रंगों के बल पर ये जीव खुद को छिपाने में कामयाब रहते हैं, तो वहीं शिकारी से अपनी रक्षा भी करते हैं।

ट्री फ्रॉग

इन्हें लॉफिंग ट्री फ्रॉग के नाम से भी जाना जाता है। जितने ये अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं, उतनी ही फुर्ती से अपने रंग बदलने के लिए भी। ये मेंढ़क भूरे, कत्थई और सफेद रंग बदलने में माहिर होते हैं। ये पीले व काले पैर और एमरेल्ड कलर के निशानों के साथ भी नजर आते हैं।

फ्लाउंडर

यह मछली पहली नजर में सपाट आकार की साधारण सी मछली नजर आती है, लेकिन इसमें अपने आसपास की चीजों के अनुसार अपना रंग बदलने की अद्भुत क्षमता है।

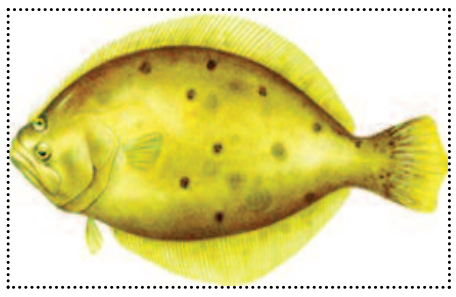

इनकी ताकत बढ़ाने में इनकी आंखें भी बहुत मददगार हैं। इस प्रजाति की मछलियां वयस्क होने पर अपनी आंखें दाईं या बाईं ओर घुमा सकती हैं। इससे जमीन की सतह के साथ तैरने में इन्हें आसानी होती है। ये मछलियां समुद्र के सबसे गहरे इलाके मरियाना ट्रेंच में भी पाई गई हैं, जो कि लगभग 35,000 फीट की गहराई में है।

गिरगिट

रंग बदलने में गिरगिट का कोई सानी नहीं होता। इसकी खासियत यह होती है कि ये अपने आसपास के पर्यावरण के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। जिस पेड़ पर जाते हैं, उसी का रंग अपना लेते हैं। यह जीव कई बार शिकारी से बचने के लिए ऐसा करता है। गिरगिट की लगभग सभी प्रजातियां रंग बदलने में माहिर होती हैं। यह लंबे समय तक बदले हुए रंग में रह सकता है। यह छिपकली के परिवार का ही सदस्य माना जाता है।

कटलफिश

प्यारे से नाम वाली ये मछलियां बहुत बुद्धिमान होती हैं। ये मछलियां लगातार एक चतुराई से शिकार करने का और दूसरे बड़े जीवों से खुद को बचाने का काम करती हैं। ये ज्यादा देर तक एक रंग में नजर नहीं आतीं और दिमाग से मिलने वाले संदेश के अनुसार लगातार अपना रंग बदलती रहती हैं। जितनी आराम से तुम सांस लेते हो, उतनी ही आसानी से ये रंग बदलती नजर आती हैं, जो देखने में बहुत रोमांचक लगता है।

अनोखा अंगूरी क्राफ्ट

अच्छा होता है। अंगूर में सबसे अधिक पोटेशियम पाया जाता है, जो पाचन और दिल के लिए अच्छा होता है। विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है। यह खून की कमी को भी दूर करता है।

दोस्तों, तुम्हें अंगूर खूब अच्छे लगते हैं न! आज हम तुम्हें अंगूर से क्राफ्ट बनाना सिखा रहे हैं। तुम्हें चाहिए कुछ अंगूर, टूथपिक।

ऐसे बनेगा

अब इस तरह से अंगूर में टूथपिक डालो और दूसरे टूथपिक से अंगूर को जोड़ते जाओ। फिर तुम्हें जो शेप चाहिए, उस तरह से बनाओ। चार अंगूरों की मदद से पहले तुम्हें बेस तैयार करना होगा। बस तुम्हें यह ध्यान रखना है कि टूथपिक से अंगूर टूट ना जाए। एक बार बनाने के बाद अब तुम इसे खा सकते हो। बड़ा मजा आएगा अगर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाओगे। चाहो तो अंगूर की जगह पर डो के छोटे-छोटे टुकड़ों का भी इस्तेमाल कर सकते हो।

अंगूर खाने के फायदे

इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों के लिए

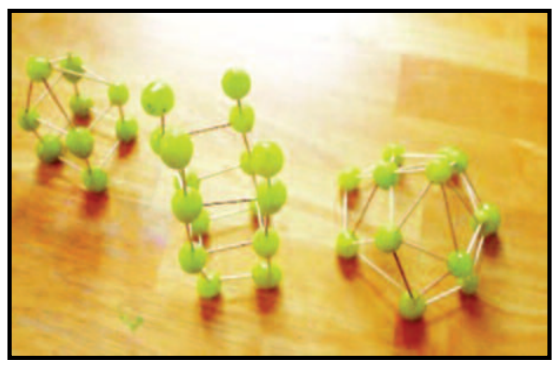

जब बच्चे बने टीचर

रोज की तरह रमा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे आज भी स्कूल पहुंच रहे थे, पर उनके चेहरे पर स्कूल जाने का तनाव नहीं, बल्कि अलग तरह की उत्सुकता थी। आज उनके प्रिंसिपल बेदी सर ने उन्हें पूरी छूट दी थी। एक दिन पहले उन्होंने एसेंबली में भाषण देते हुए कहा था,''कल 14 नवंबर है, यानी बाल दिवस। आप सब समझते हैं कि स्कूल में बहुत बंदिश होती है। आप अपने मन की नहीं कर सकते। पर कल आप लोगों को पूरी छूट है। न स्कूल ड्रेस का डर न टीचर्स की डांट। कल हम सब कुछ अलग करेंगे। मुझे उम्मीद है, यह अलग वाली बात आप लोगों को पसंद आएगी।''

अगले दिन सुबह सारे बच्चे एसेंबली के लिए प्लेग्राउंड में इकट्ठे होने लगे। कुछ बच्चे जो काफी अमीर थे, वे तो ब्रांडेड सामान की पूरी दुकान नजर आ रहे थे। धीरे-धीरे सारा प्लेग्राउंड बच्चों से भर गया। रंग-बिरंगी तितलियों की तरह सारे बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे, दोस्तों से मिल रहे थे। तभी घोषणा हुई कि प्रिंसिपल बेदी सर आ रहे हैं। सारे बच्चे तुरंत अपनी-अपनी क्लास की लाइन में आकर खड़े हो गए।

बेदी सर माइक के सामने आए और बोले, ''आज का दिन आप लोगों का है, मतलब बच्चों का दिन है। आज तक आप लोग इस स्कूल में पढ़ते रहे हैं और अपने टीचर्स से आपको शिकायत भी रही होगी। चलो, आज एक नया खेल खेलते हैं। आज आप लोग टीचर बनेंगे।''

''सर, अगर हम लोग टीचर होंगे, तो बच्चे कौन बनेंगे, जिन्हें हम पढ़ाएंगे?'' एक बच्चे की आवाज आई।

बेदी सर मुस्करा दिए। फिर बोले, ''मैंने भी यही सोचा था। फिर एक आइडिया आया। आप लोग चिंता न करें। आपके स्टूडेंट थोड़ी देर में आने वाले हैं।'' जब तक बेदी सर अपनी बात पूरी करते, तब तक स्कूल की चार बसें आकर रुकीं। उनके गेट खुले, तो उनमें से कुछ बच्चे उतरने लगे। हिंदी वाले सर के साथ क्लास मॉनिटर्स आगे बढ़े। उनके हाथ में टोकरियां थीं, जिनमें गुलाब के फूल थे। सर आगे बढ़कर एक-एक करके सभी बच्चों की शर्ट पर गुलाब के फूल लगाने लगे।

स्कूल के बच्चों की नजरें इन नए बच्चों पर से हट ही नहीं रही थीं। सारे बच्चे गरीब लग रहे थे। किसी के पैर में पुराने जूते थे, तो कोई चप्पल में था। उनके कपड़े वैसे थे, जैसे वे अपने घर में भी नहीं पहनते थे। प्रिंसिपल सर बच्चों को गौर से देख रहे थे। उनके मन की बात वे समझ गए। उन्होंने बोलना शुरू किया, ''कुछ दिनों पहले मुझे एक अनाथालय में जाने का मौका मिला। वहां मैं इन बच्चों से मिला। ये वो बच्चे हैं, जिनको आप लोगों की तरह माता-पिता का प्यार नहीं मिला। इन्हें कोई सुबह स्कूल के लिए तैयार नहीं करता, कोई इनके लिए स्कूल का लंच पैक नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये स्कूल नहीं जा पाते हैं और अपने आश्रम में ही आने वाले टीचर्स से पढ़ते हैं। पर इन्हें पढ़ाई में कमजोर मत समझना। इनमें से कुछ बच्चों ने मुझसे कहा कि सर हम भी देखना चाहते हैं, स्कूल कैसा होता है, और वहां पढ़ाई कैसे होती है। इसीलिए मैंने आज इन बच्चों को यहां आमंत्रित किया है। आज ये बच्चे हमारे स्टूडेंट हैं और आप लोग अपने टीचर्स के साथ मिलकर इन्हें पढ़ाएंगे ताकि स्कूल में पढ़ने का इनका सपना भी पूरा हो। मैं बस आप सबसे यही चाहता हूं कि अनाथालय से आए बच्चों को यह महसूस करा दो कि वे पराए नहीं, हमारे अपने हैं। बाल दिवस उन बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है।''

इसके बाद एसेंबली खत्म हो गई और बच्चे अपनी-अपनी क्लास की ओर चले, पर उन बच्चों की कहानी सुनकर ज्यादातर बच्चों के चेहरे गंभीर हो गए थे। जब वे अपनी क्लास में पहुंचे तो उन्हें अनाथालय के बच्चे सीटों पर बैठे दिखाई दिए। ऐसी ही एक क्लास में खड़े टीचर ने कहा, ''कुछ बच्चे जो पढ़ाना चाहते हैं, वो मेरे पास आ जाएं। बाकी बच्चे इन बच्चों के साथ बैठ जाएं और पढ़ाई में सहयोग करें।''

एक-दो घंटे बाद पता ही नहीं चल रहा था कि ये बच्चे एक- दूसरे को जानते ही नहीं थे। सब एक-दूसरे से खुल गए थे। पढ़ाई में एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। पता नहीं कैसे स्कूल के बच्चों के मन में यह भावना आ गई थी कि अनाथालय के बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि वे पराए हैं। लंच टाइम में स्कूल की तरफ से अनाथालय से आए बच्चों के लिए लंच आया, पर स्कूल के बच्चों ने अपना टिफिन भी उन बच्चों के साथ शेयर किया। ऐसे ही हंसते-खेलते स्कूल का टाइम बीता और छुट्टी का समय आ गया। बच्चों को आदेश था कि छुट्टी से पहले फिर से सब प्लेग्राउंड में इकट्ठे होंगे।

इस बार प्लेग्राउंड में सारे बच्चे एक साथ आए। स्कूल के बच्चे यह देखकर चौंक गए कि उनके माता-पिता को भी प्रिंसिपल सर ने बुला रखा था।

सर ने बच्चों को देखकर पूछा, ''बोलो बच्चो, आज का दिन कैसा लगा?''

''बहुत बढ़िया सर। इन बच्चों के साथ बहुत मजा आया।'' राघव जो एक बहुत बड़े बिजनेसमैन का बेटा था, वह आगे बढ़कर बोला।

''और आप लोगों को कैसा लगा हमारा स्कूल?''अब सर ने अनाथालय से आए बच्चों से पूछा।

''सर हमारा सपना पूरा हो गया। स्कूल में पढ़ने में बड़ा मजा आया। काश! हम रोज ऐसे पढ़ पाते।''कहते-कहते अनाथालय से आया अमित रो पड़ा।

''तुम्हारा सपना जरूर पूरा होगा।'' मुस्कराते हुए प्रिंसिपल सर बोले, ''मैंने अपने मैनेजमेंट से बात कर ली है। अब से हमारे स्कूल में दोपहर बाद भी आप लोगों के लिए अलग से स्पेशल क्लास हुआ करेगी। आप लोग यहां पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।''

''हुर्रे।'' राघव खुशी से चिल्ला पड़ा। वह भूल गया कि वह स्कूल में, और वह भी प्रिंसिपल सर के सामने है।

सारा मैदान प्रिंसिपल सर की घोषणा के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सारे बच्चे अपने माता-पिता के पास गए और उनसे कुछ बात करने लगे। उनकी बात सुनकर वे मुस्काए और उनका सिर हां में हिलने लगा। बस फिर क्या था! देखते ही देखते मैदान में अजीब सा नजारा दिखाई देने लगा। स्कूल के लड़कों में से किसी ने अपनी शर्ट उतारी, तो किसी ने अपनी टी-शर्ट, उन्होंने अपनी शर्ट और टीशर्ट अनाथालय से आए बच्चों को जबरदस्ती पहना दी। यह सारा नजारा देखकर उनके माता-पिता भी मुस्काए बिना न रह सके। प्रिंसिपल सर के चेहरे पर भी संतोष की मुस्कान थी। बाल दिवस पर जो बात वह अपने बच्चों को सिखाना चाहते थे, वह उन्होंने अच्छे से सीख ली थी।

सार समाचार

चीन ने राष्ट्रीय दिवस पर ताइवान की ओर 38 लड़ाकू विमान भेजे

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को अपने राष्ट्रीय दिवस पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए स्व-शासित ताइवान की ओर 38 लड़ाकू विमान भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने शुक्रवार को पहले 25 विमानों और फिर रात को 13 लड़ाकू विमानों को भेजा। बयान के मुताबिक, जवाब में ताइवान ने हवाई गश्ती दलों को तैनात किया और अपने हवाई रक्षा तंत्र के जरिए चीनी विमानों का पता लगाया। चीन पिछले कई वर्षों से लगभग हर दिन ताइवान की ओर विमान भेज रहा है क्योंकि वह इस क्षेत्र पर अपना दावा जताता है। पिछले सप्ताह भी पीएलए ने ताइवान की तरफ 24 लड़ाकू विमान भेजे थे।

अमेरिका ने नेपाल को 10वीं सदी की शिव की मूर्ति लौटाई

अमेरिका के एक संग्रहालय ने काठमांडू के कांकेश्वरी मंदिर की 10वीं सदी की भगवान शिव की मूर्ति नेपाल को लौटा दी है। अमेरिका में नेपाल के महावाणिज्य दूतावास द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, न्यूयॉर्क में नेपाल के महावाणिज्य दूतावास और द मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ आर्ट ने बृहस्पतिवार को मूर्ति लौटाने की घोषणा की। बयान में कहा गया है कि एक समझौते पर कार्यवाहक महावाणिज्य दूत बिष्णु प्रसाद गौतम और संग्रहालय के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेनियल एच वीस ने हस्ताक्षर किए। 13 इंच ऊंची इस मूर्ति को 1995 में मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट में भेजा गया था।

खाड़ी देश कतर में लोकतंत्र की शुरुआत, शुरा परिषद के लिए लोगों ने पहली बार किया मतदान

दोहा। खाड़ी देश कतर में शनिवार को पहली बार राष्?ट्रीय चुनाव हो रहे हैं। कतर के लोगों ने विधायी चुनाव के लिए पहली बार वोट डाले। कतर में इसे लोकतंत्र की शुरुआत माना जा रहा है। देश की सलाहकार परिषद शूरा काउंसिल के लिए मतदान हुआ, इसे देश के पहले विधायी चुनाव के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि, इस चुनाव को लेकर भी बहुत तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, लेकिन यह चुनाव अपने आप में ऐतिहासिक है।

45 सीटों वाली इस शुरा परिषद के लिए मतदान

दरअसल, इस खाड़ी देश में सलाहकार शुरा परिषद की दो तिहाई सीटों के लिए शनिवार को पहली बार चुनाव कराए गए। 45 सीटों वाली इस परिषद के 30 सदस्यों के चयन के लिए मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भीड़ देखी गई। यहां मतदान के लिए महिला और पुरुष वोटरों के लिए अलग-अलग व्यवस्था थी, जबकि बाकी 15 सदस्य सरकार की ओर से नामित किए गए जाएंगे।

30 जिलों में चुनाव में उतरे 234 प्रत्याशियों में से 26 महिलाएं

बच्चों के लिए किताब लिखने वाले मुनीर नामक एक मतदाता ने कहा, 'मतदान के अवसर को मैं एक नए अध्याय के रूप में देख रहा हूं। कई महिला प्रत्याशियों के बारे में सुनकर मैं वास्तव में बहुत खुश हूं।' सरकारी सूची के अनुसार, देश के 30 जिलों में चुनाव में उतरे 234 प्रत्याशियों में से 26 महिलाएं हैं। देश में कई वर्षो से नगर पालिका चुनाव होते आ रहे हैं। प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार के लिए इंटरनेट मीडिया का जमकर इस्तेमाल किया। मार्खिया जिले के खालिद अलमुटावाह नामक प्रत्याशी ने बताया कि यह उनके लिए पहला अनुभव है।

महात्मा गांधी के शांति संदेश पर ध्यान दे अंतरराष्ट्रीय समुदाय: एंतोनियो गुतेरस

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से महात्मा गांधी के शांति के संदेश पर ध्यान देने का आह्वान करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस ने कहा कि दुनिया भर में हिंसा कर रहे लोग हथियार छोड़ दें। मानवता के दुश्मन कोरोना महामारी को पराजित करने पर ध्यान केंद्रित करें।

हिंसा छोड़ मानवता के दुश्मन कोरोना महामारी से करें मुकाबला

गुतेरस ने दो अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के मौके पर अपने संदेश में कहा है, 'यह काई संयोग नहीं है कि हम महात्मा गांधी की जयंती को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाते हैं। गांधी के लिए अहिंसा, शांतिपूर्ण विरोध, सम्मान एवं समानता शब्दों से कहीं ज्यादा थे। उन्होंने मानवता के लिए रोशनी दिखाई, बेहतर भविष्य का खाका खींचा।' महासचिव ने कहा कि अहिंसा, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन, सम्मान और बराबरी आज के संकटपूर्ण समय के समाधान के लिए भी खाका मुहैया कराते हैं।

जब हेलिकॉप्टर और विमान की आसमान में ही हो गई टक्कर, जानें फिर क्या हुआ

अरिजोना। अमेरिका में एक ऐसा हादसा हुआ है, जहां आसमान में ही हेलिकॉप्टर और विमान आपस में एक दूसरे से टकरा गए। अरिजोना में फिनिक्स हवाई अड्डे के पास उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर और एक छोटे विमान के बीच टक्कर के बाद हेलीकॉप्टर एक मैदान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद विमान सुरक्षित तरीके से नीचे उतर गया और उसमें सवार उड़ान प्रशिक्षक और प्रशिक्षु पायलट को कोई चोट नहीं आई।

पुलिस सार्जेंट जेसन मैकलिमंस ने बताया कि शुक्रवार को चैंडलर शहर में यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि जमीन पर कोई भी घायल नहीं हुआ लेकिन हवाई अड्डा कई घंटे तक बंद रहा। चैंडलर के दमकल विभाग को सुबह आठ बजे हवाई अड्डे के पास हादसे की सूचना मिली। दमकल अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद हेलीकॉप्टर में आग लग गई लेकिन जल्द ही इस पर काबू पा लिया गया। दमकलकर्मियों ने मलबे से दो शव निकाले। मरिकोपा काउंटी का चिकित्सकीय जांच कार्यालय दोनों शवों की शिनाख्त करेगा। चैंडलर पुलिस के मैकलिमंस के मुताबिक हेलीकॉप्टर का संचालन क्वांटम हेलीकॉप्टर और विमान का संचालन 'फ्लाइट ऑपरेशंस एकेडमी' कर रही थी। दोनों उड़ान प्रशिक्षण स्कूल हैं।

विदेश सचिव श्रृंगला की श्रीलंका की चार दिवसीय यात्रा शुरू, शीर्ष नेताओं से होगी मुलाकात

कोलंबो। (एजेंसी)।

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने शनिवार को श्रीलंका की अपनी चार दिवसीय यात्रा शुरू की। इस दौरान वह राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे सहित देश के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे तथा भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि श्रृंगला अपने श्रीलंकाई समकक्ष जयनाथ कोलंबेज के निमंत्रण पर यहां पहुंचे हैं। मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''यह यात्रा लंबे समय से मौजूद बहुआयामी संबंधों में योगदान देगी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाएगी।''

श्रृंगला सेंट्रल जिले कैंडी, पूर्वी बंदरगाह जिले त्रिंकोमाली और उत्तरी शहर जाफना का भी दौरा करेंगे। पिछले साल जनवरी में विदेश सचिव का पद संभालने के बाद श्रीलंका की यह उनकी पहली यात्रा है। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को कहा कि श्रृंगला की यात्रा द्विपक्षीय संबंधों, द्विपक्षीय परियोजनाओं की प्रगति और कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों से निपटने के लिए सहयोग की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी। उनकी यात्रा से कुछ दिन पहले भारतीय बहुराष्ट्रीय समूह 'अडाणी ग्रुप' ने कोलंबो बंदरगाह के 'वेस्ट इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल' को विकसित करने के लिए श्रीलंका सरकार के स्वामित्व वाली 'पोर्ट अथॉरिटी' के साथ एक समझौता किया है।

अडाणी ग्रुप का मुख्यालय अहमदाबाद में है। श्रीलंका सरकार ने कहा है कि 70 करोड़ डॉलर का 'बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर' सौदा इस देश के बंदरगाह क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश है। श्रृंगला की यात्रा की घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति में श्रीलंका एक अहम स्थान रखता है और उनकी यात्रा परस्पर हित के सभी क्षेत्रों में दोनों देशों के सौहार्दपूर्ण और करीबी संबंधों को मजबूत करने के महत्व को दर्शाती है। उनकी यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब श्रीलंका आर्थिक तंगी से जूझ रहा है और ऐसी संभावना है कि वह इस बात का आकलन करेंगे कि क्या भारत इस स्थिति से निपटने के लिए देश की कोई सहायता कर सकता है। समझा जाता है कि विदेश सचिव की पड़ोसी देश की यात्रा के दौरान कोलंबो बंदरगाह पर पश्चिमी कंटेनर टर्मिनल के निर्माण से जुड़े मामलों पर भी चर्चा हो सकती है।

कोलंबो में अपनी वार्ता के दौरान श्रृंगला के लंबे समय से लंबित तमिल मुद्दे पर भारत के विचारों को दोबारा रखने की भी उम्मीद है। भारत लगातार श्रीलंका से तमिल समुदाय के हितों की रक्षा के लिए अपनी

प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और एक बहुजातीय एवं बहुधार्मिक समाज के रूप में देश के चरित्र को संरक्षित करने का आह्वान करता रहा है। श्रीलंका में तमिल समुदाय संविधान में 13वें संशोधन को लागू करने की मांग करता रहा है जो उसे सत्ता के हस्तांतरण का प्रावधान प्रदान करता है। 13वां संशोधन 1987 के भारत-श्रीलंका समझौते के बाद लाया गया था।

टीका योग्यता सूची में शामिल देशों की निरंतर समीक्षा की जा रही है: ब्रिटेन सरकार के सूत्र

ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय यात्रा से संबंधित कोविड-19 टीका पात्रता सूची में शामिल देशों की निरंतर समीक्षा की जा रही है। ब्रिटिश सरकार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि इस सूची में 18 देश शामिल हैं, लेकिन भारत को जगह नहीं दी गई है। सूची में शामिल देशों के यात्रियों के टीकाकरण प्रमाण पत्र को मान्यता दी गई है जबकि अन्य देशों के यात्रियों को ब्रिटेन पहुंचने पर पृथकवास में रहना अनिवार्य होगा। ब्रिटेन के इस कदम के जवाब में भारत ने जवाबी कदम उठाते हुए टीका लगवा चुके ब्रिटिश यात्रियों के लिये भारत आने पर पृथकवास में रहना सोमवार से अनिवार्य कर दिया है। ब्रिटेन सरकार ने भारत की इस योजना पर आधिकारिक रूप से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, देशों की सूची की निरंतर समीक्षा की जा रही है। हमें उम्मीद है कि उसमें और देशों को शामिल किया जाएगा। लेकिन इसके लिये कोई समयसीमा निर्धारित नहीं है।

अफगान में शुरू हुई एक नई जंग, तालिबान और आईएसआईएस में भीषण लड़ाई, कई मरे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान राज की वापसी के बाद एक नई जंग शुरू हो गई है। अब अफगानिस्तान में तालिबान और आईएसआईएस आमने-सामने हैं। अफगानिस्तान के उत्तरी पारवान प्रांत की राजधानी छारीकार में तालिबान और आईएसआईएस के बीच अलग-अलग झड़पों में कम से कम 20 तालिबानियों के मारे जाने की खबरें हैं। माना जा रहा है कि इन इलाकों में तालिबानियों और आईएसआईएस के आतंकियों के बीच गोलीबारी और बमबारी हुई है, जिसमें दोनों तरफ से काफी लोग मरे हैं। बता दें कि अगस्त के आखिर में काबुल एयरपोर्ट पर आईएसआईएस ने ही धमाका किया था, जिसमें कई लोग मारे गए थे।

हालांकि, कहा जा रहा है कि इस लड़ाई में तालिबानियों ने आईएसआईएस को बड़ा चोट दिया है और उसका एक ठिकाना भी ध्वस्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तालिबान सैनिकों ने छारीकर शहर में काल ख्वाजा में एक मकान को निशाना बनाकर गोलियां चलाई थीं और इस दौरान दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में कम से कम नौ तालिबानी मारे गए तथा एक महिला समेत तीन नागरिकों की भी मौत हो गई।

वहीं, दूसरे हमले में आईएस के आतंकवादियों ने तालिबानियों को लेकर जा रहे एक वाहन पर बम फेंका जिसमें कम से कम तीन तालिबानी मारे गए। बता दें

कि दोनों ही आतंकवादी संगठन है, मगर तालिबान और आईएसआईएस के बीच काफी समय से तकरार रहा है। 15 अगस्त को तालिबान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर कब्जा किया था। अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के काफी खूंखार माना जाता है।

दोस्त नहीं दुश्मन हैं

आईएसआईएस और तालिबान दोनों कट्टर सुन्नी इस्लामी आतंकवादी हैं लेकिन ये एक दूसरे के दोस्त नहीं बल्कि दुश्मन हैं और एक-दूसरे का विरोध करते हैं। आईएसआईएस-के के तालिबान के साथ बड़े मतभेद हैं। आईएसआईएस-के ने तालिबान पर जिहाद छोड़ने का और कतर के पॉश होटलों में शांति वार्ता मान लेने का इल्जाम लगाया। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर इंटरनेशनल सिक्योरिटी एंड कोऑपरेशन के अनुसार, उनके मतभेद भी वैचारिक हैं। केंद्र ने कहा, 'दोनों समूहों के बीच शत्रुता वैचारिक मतभेदों और संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा दोनों से उत्पन्न हुई। आईएस ने तालिबान पर एक सार्वभौमिक इस्लामी पंथ के बजाय एक संकीर्ण जातीय और राष्ट्रवादी आधार से अपनी वैधता खींचने का आरोप लगाया।'

कोरोना पर चीन का नया कारनामा, मेगा क्वारंटीन सेंटर के बहाने रच रहा नई साजिश?

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन की जालसाजी और साजिशों की वजह से उसकी अर्थव्यवस्था दिनों दिन खस्ता हाल होती जा रही है। चीन के बाजारों को भविष्य का डर सताने लगा है। चीनियों को अपना भविष्य अंधकारमय भी दिखने लगा है। लेकिन हैरत की बात ये है कि दिखावे के लिए चीन नए-नए तिलिस्म गढ़ रहा है। चीन ने कोरोना काल में ऐसा ही एक सीक्रेट कारनामा कर दिखाया। जिससे दुनिया हैरान है। कोरोना काल में जब पूरी दुनिया मौत और महामारी से जूझ रही थी। तो चीन अपने मुल्क में हैरतअंगेज कारनामों को अंजाम देने में लगा था।

चीन ने 46 फुटबॉल सेंटर के बराबर क्वारंटीन सेंटर का निर्माण किया है। चीन ने ये मेगा क्वारंटीन सेंटर गुआंगझाउ सिटी में बनाया है। चीन के इस क्वारंटीन सेंटर में पांच हजार कमरे हैं। विदेशियों को होटल की बजाए क्वारंटीन सेंटर में ठहराया जाएगा। बताया जा रहा है कि चीन ने इन क्वारंटीन सेंटर पर 260 मिलियन डॉलर खर्च किया है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक चीन जा सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिल पारंपरिक चीनी शैली में भूरी तीन मंजिला इमारतें बनाई गईं हैं। दावा किया जा रहा है कि गुआंगझाउ सिटी में इस क्वारंटीन सेंटर को बनाने में तीन महीने से भी कम समय लगा है।

चीन आने वाले यात्रियों को बसों के जरिये सीधे एयरपोर्ट से यहां लाया जाएगा और कम से कम उन्हें यहां दो हफ्तों के लिए आइसोलेट किया जाएगा। यहां रोबोर्ट की मदद से तीन वक्त का खाना सर्व किया जाएगा। हालांकि ये केवल चीन के दावे हैं। क्या इस क्वारंटीन सेंटर के जरिये अपनी इमेज सुधारने में लगा है या फिर इस हाइटेक क्वारंटीन सेंटर को बनाने के पीछे भी कोई चाल है।

विरोधियों को बाहर निकालने के लिए भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का सहारा ले रहे शी जिंगपिंग, अब फू झेंगहुआ बने निशाना

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन के पूर्व न्याय मंत्री फू झेंगहुआ राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का निशाना बन गए हैं। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के केंद्रीय अनुशासन निरीक्षण आयोग ने 2 अक्टूबर को बताया है कि फू झेंगहुआ जो पब्लिक सिक्योरिटी के पूर्व उप मंत्री भी थे, पार्टी के अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघन के लिए जांच के दायरे में हैं। आयोग ने मामले को लेकर और जानकारी नहीं दी है।

यह साफ नहीं है कि 66 साल के फू शी जिनपिंग के अभियान का लक्ष्य क्यों बने हैं। वह बीजिंग के लिए पब्लिक सिक्यूरिटी के प्रमुख और 2013 से 2018 तक पब्लिक सिक्यूरिटी के उप मंत्री रहे हैं। इसके बाद 2018-2020 के बीच फू न्याय मंत्री रहे हैं।

सावर्जनिक सुरक्षा के उप मंत्री रहते हुए फू ने भ्रष्टाचार विरोधी अभियान में दोषी ठहराए गए सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में से

एक, झोउ योंगकांग की जांच का नेतृत्व किया था। बता दें कि पूर्व सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री झोउ, शी के पूर्ववर्ती राष्ट्रपति हू जिंताओ के अधीन, कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष निकाय पोलित ब्यूरो स्थायी समिति के नौ सदस्यों में से एक थे। झोउ को 2015 में रिश्वत लेने, सत्ता का दुरुपयोग करने और राज्य के रहस्यों को लीक करने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

बता दें कि शी जिनपिंग पर राजनीतिक विरोधियों को बाहर निकालने के लिए भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का उपयोग करने का आरोप लगता रहा है। झोउ के पतन को कम्युनिस्ट पार्टी में एक बार शक्तिशाली गुट को दफनाने के रूप में देखा गया था।

मासूम बच्चों का खून बहाने वालों से दोस्ती पर घिरे इमरान तो पाकिस्तान बोला- 'अच्छे-बुरे' तालिबान में फर्क

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

2014 में पाकिस्तान के पेशावर में आर्मी स्कूल के 134 मासूम बच्चों सहित 150 से अधिक की जान लेने वाले तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) से इमरान खान दोस्ती करने में जुटे हैं। शुक्रवार को एक इंटरव्यू में इमरान खान ने टीटीपी के कुछ धड़ों से बातचीत का खुलासा किया जमकर किरकिरी हुई। अब पाकिस्तान के गृहमंत्री ने 'तालिबान खान' का बचाव करते हुए कहा है कि उन्हें अच्छे और बुरे तालिबान का फर्क बता है।

बता दें, पाकिस्तान इसी तरह आतंकवाद में भी अच्छे-बुरे का फर्क करते हुए उन आतंकी संगठनों को बढ़ावा देता है जो भारत सहित दुनिया के दूसरे मुल्कों को निशाना बनाते हैं।

एक दिन पहले ही इमरान खान ने टीआरटी वर्ल्ड को दिए इंटरव्यू में कहा था कि अफगान तालिबान की मदद से उनकी सरकार तहरीक-ए-तालिबान के कुछ गुटों के साथ सुलह की कोशिश में जुटी है। टीटीपी पाकिस्तान में प्रतिबंधित है और अक्सर जानलेवा हमले करता है। टीटीपी अफगान तालिबान का ही एक अंग है जो पश्तूनिस्तान बनाने की मांग

करता है।

इमरान खान की पहल का बचाव करते हुए पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद अहमद ने शनिवार को कहा कि आर्मी पब्लिक स्कूल में नरसंहार करने वाले अलग थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए शेख ने कहा, 'हम जानते हैं कौन अच्छा है और कौन बुरा।' रशीद ने यह भी कहा कि उनकी सरकार अगले 20 साल के लिए रणनीति बना रही है और वैश्विक परिदृश्य जल्द बदलने वाला है।

इस गांव की लड़कियां बड़े होते ही बन जाती हैं लड़का! माना जाता है श्रापित गांव

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। आपने कई ऐसे लोगों को देखा व सुना होगा जिसने सर्जरी के माध्यम से अपना जेंडर बदला हो। आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक ऐसा गांव है जहां बड़े होने पर अपना लिंग बदल दिया जाता है। ऐसा जानकर यकीनन आपके होश उड़े होंगे। दरअसल दुनिया के नक्शे में एक डोमिनिकल रिपब्लिक नाम का एक गांव बसता है जहां लड़कियां एक खास उम्र में लड़का बन जाती हैं।

इस गांव को लोग श्रपित गांव मानते हैं

आपको बताते चलें कि इस गांव का नाम सेलिनास है। यहां 12 साल की उम्र में लड़कियां लड़का बन जाती हैं। इस गांव के भू-भाग पर नज़र डाली जाए तो इसकी जनसंख्या करीब 6 हज़ार है। ये छोटा सा गांव दुनियाभर के शोधकर्ताओं के शोध का विषय बना हुआ है। इसकी पहचान शोधकर्ता एक रहस्यमय गांव के तौर पर करते हैं।

किसी अदृश्य शक्ति का वास है

सिलिनास गांव के लोग यहां एक अदृश्य शक्ति के साये की बात कहते हैं। उनका मानना है कि यहां किसी शक्ति का साया है जबकि कुछ लोग इसे शापित गांव भी कहते हैं। गांव में सबसे बड़ी समस्या ये है कि यहां लड़कियां पैदा होती हैं और 12 साल की उम्र तक आते-आते वह लड़का बन जाती हैं। गांव की लड़कियों के लड़का बन जाने से लोग बेहद परेशान हैं। गांव में जब भी किसी परिवार में लड़की का जन्म होता है तो परिवार में मातम छा जाता है। क्योंकि बड़ी होने पर वह भी लड़का बन जाएगी। इस डर के चलते गांव में लड़कियों की संख्या बेहद कम हो गई है। बीमारी से पीड़ित बच्चों को इस गांव में बेहद बुरी नजर से देखा जाता है। ऐसे बच्चों को 'ग्वेदोचे' के नाम से बुलाया जाता है।

अनुवांशिक विकार जैसी बिमारी से पीड़ित हैं

यदि इस शब्द के मतलब जाना जाए तो स्थानीय भाषा में इसको किन्नर कहा जाता है। डॉक्टर्स की माने तो, ये बीमारी एक आनुवंशिक विकार है और स्थानीय भाषा में इससे ग्रस्त बच्चों को 'सूडोहर्माफ्रडाइट% कहते हैं। इस बीमारी से ग्रस्त लड़की के रूप में पैदा हुए बच्चों में कुछ बच्चों के शरीर में धीरे-धीरे पुरूषों जैसे अंग बनने लगते हैं। उनकी आवाज़ भी धीरे- धीरे भारी होने लगती

है। उनके शरीर में वो बदलाव आने शुरू हो जाते हैं जो उन्हें लड़की से लड़का बना देते हैं। कई शोधकर्ताओं ने इस बीमारी पर शोध किया लेकिन इस बीमारी का उपचार खोजने में वह अभी तक सफल नहीं हो पाए हैं। जांच के दौरान पता चला कि इस गांव में 90 में से एक बच्चा इस बीमारी से जूझ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

चिराग पासवान को बड़ा झटका, चुनाव आयोग ने लोजपा के चुनाव चिन्ह पर लगाई रोक

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को चिराग पासवान और पशुपति पारस के नेतृत्व वाले गुटों के बीच तनातनी के बीच लोक जनशक्ति पार्टी के चुनाव चिह्न पर रोक लगाने का फैसला किया है। आयोग ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि, दोनों आने वाले दिनों में दो विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारने के लिए उपलब्ध मुफ्त प्रतीकों का उपयोग कर सकते हैं।बता दें कि मुंगेर के तारापुर और दरभंगा के कुशेश्वरस्थान की दो सीटों पर उपचुनाव 30 अक्टूबर को होने हैं और नामांकन की प्रक्रिया भी चल रही है।

अखिल भारतीय साइकिल रैली के फ्लैग इन कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के एक भाग के रूप में एनएसजी सुदर्शन भारत परिक्रमा की अखिल भारतीय कार रैली के फ्लैग ऑफ और सीएपीएफ के अखिल भारतीय साइकिल रैली के फ्लैग इन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस समारोह में कहा कि, देश भर के अनेक स्थानों से केंद्रीय पुलिस बलों की 45 विभिन्न रैलियां एक माह की अवधि में 41,000 किलोमीटर का साइकिल पर भ्रमण करके, सभी शहीदों की स्मारकों को छू कर आज यहां पहुंचे है। उन्होंने कहा कि,एनएसजी के कमांडों की सुरदर्शन रैली (कार रैली) आज यहां से प्रारंभ होने जा रही है। ये कार रैली बहुत बड़ी यात्रा करके अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचेगी। मेरा उन जवानों को अभिनंदन और शुभकामनाएं।

कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में भारत की बड़ी कामयाबी! देश में टीकाकरण का आंकड़ा 90 करोड़ पार

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में भारत ने एक बड़ी कामयाबी हासिल कर ली है। एक जगह जहां कोरोना के मामलों में कमी देखने को मिली है वहीं देश ने टीकाकरण का भी अलग रिकॉर्ड कायम कर लिया है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट करके बताया है कि भारत ने 90 करोड़ कोरोना वैक्सीन डोज़ लगाने का आंकड़ा पार कर लिया है। बता दें कि देश में 16 जनवरी से दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गई थी और अब ये तेजी से बढ़ता जा रहा है। मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर बताया कि, शास्त्री जी ने 'जय जवान- जय किसान' का नारा दिया था और श्रद्धेय अटल जी ने 'जय विज्ञान' जोड़ा और मोदी दी ने 'जय अनुसंधान' का नारा दिया। आज अनुसंधान का परिणाम यह कोरोना वैक्सीन है। #JaiAnusandhan'। भारत में इस वक्त तीन कोरोना की कोविशील्ड, कोवैक्सीन और स्पूतनिक-वी वैक्सीन दी जा रही है। यह टीके केवल 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को दिए जा रहे है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में 24 हजार 354 कोरोना के नए मामले सामने आए हैं। फिलहाल देश में 2,73,889 कोविड मरीजों का इलाज चल रहा है। यह देश के कुल सक्रमित मामलों का 0.81 प्रतिशत हैं। देश भर में कोविड जांच क्षमता का विस्तार जारी है। पिछले 24 घंटों में 14,29,258 लोगों की जांच की गयी हैं। देश में कुल 57 करोड़ 19 लाख 94 हजार 990 कोविड परीक्षण किये गये हैं।

विषाक्त कोल्ड ड्रिंक पीने से मेरठ में एक दर्जन से ज्यादा बच्चो की हालत बिगड़ी

मेरठ। जहरीली कोल्ड ड्रिंक पीने से करीब डेढ़ दर्जन बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले इन बच्चों को देर रात अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां गंभीर रूप से बीमार 8 मरीजों को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। परिजनों की मानें तो कार में बैठकर 2 लोग आए और कोल्ड ड्रिंक की दो बोतल देकर चले गए। जिसके बाद कोहराम मच गया। सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन का कहना है कि बच्चों का इलाज किया जा रहा है। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। मामला मेरठ के थाना परतापुर क्षेत्र के कुंडा फाटक का है। जहां झुग्गी झोपड़ी में गरीब तबके के लोग रहते हैं ।लोगों की माने तो दो लोग कार में बैठकर आए जिसके बाद कोल्ड ड्रिंक की दो बड़ी बोतले बच्चों को देखकर चले गए। बच्चों ने कोल्ड ड्रिंक पी। इसके कुछ ही देर बाद करीब डेढ़ दर्जन बच्चों को बेहोशी छा गई। मासूम बच्चों को उल्टियां होने लगी।

दिल्ली के थाने में तोड़फोड़ और पुलिसकर्मियों पर हमला, 53 अफ्रीकी नागरिक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में एक पुलिस थाने के बाहर हंगामा करने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने के आरोप में 53 अफ्रीकी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना 26 सितंबर को हुई थी। पुलिस के मुताबिक एक अफ्रीकी व्यक्ति की यहां के एक अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी जिसके बाद चिकित्सकों ने उसके मित्रों को इस बारे में पुलिस को सूचित करने को कहा था। लेकिन उसके मित्र शव ले जाने पर अड़ गए और पुलिस को बुलाना पड़ा। इसके बाद मोहन गार्डन पुलिस थाने के बाहर भीड़ एकत्रित हो गई और अफ्रीकी लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया। पुलिस ने बताया कि 20 से 25 अफ्रीकी नागरिक थाने में घुस गये और उन्होंने तोड़ फोड़ की, थाने के बाहर रखे वाहनों को भी क्षतिग्रस्त किया। जिसके बाद पुलिस को हवा में गोलियां चलानी पड़ी। इस घटना के संबंध में 53 अफ्रीकी नागरिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अमित शाह बोले- 130 करोड़ नागरिकों को भारत को आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनाने का संकल्प लेना चाहिए

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को देश के लोगों से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक भारत को एक आत्मनिर्भर और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए अपने-अपने स्तर पर कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता की यह चेतना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत , 'मेक इन इंडिया' और अन्य योजनाओं के माध्यम से परिकल्पित रचनात्मक कार्रवाई को बल प्रदान करेगी। शाह यहां लाल किले में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थेजहां उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी)कमांडो की 7,500 किलोमीटर की कार रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गृह मंत्री ने भारत की आजादी के 75 साल होने संबंधी समारोह के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की एक साइकिल रैली का स्वागत

किया जिसका समापन यहां देश के 41,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र को पार करने के बाद हुआ।

शाह ने कहा, ''अगर 130 करोड़ नागरिकों में से प्रत्येक व्यक्ति देश को आगे ले जाने और इसके विकास के लिए काम करने का संकल्प लेता है तो हम भारत को आत्मनिर्भर बना सकते हैं और इसे एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान नागरिकों के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान का उद्देश्य जनता के बीच एक प्रेरणा उत्पन्न करने का है, जिसके परिणामस्वरूप कार्रवाई होगी जिससे भारत का विकास होगा। शाह ने कहा, 'मैं देश के सभी नागरिकों से आग्रह करता हूं कि भारत को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के मोदी जी के सपने को साकार करने के लिए एकजुट हों और खुद को समर्पित करें।' उन्होंने कहा, 'भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना और भारत के विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करने का है।

मस्जिदों को बंद कर बहुमत की भावनाओं का अनादर कर रहा है केंद्र: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने केंद्र पर पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि कश्मीर में लोगों को मस्जिदों और दरगाहों पर नमाज अदा करने से रोकना बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं के प्रति भारत सरकार के ''अनादर के भाव'' को दर्शाता है। कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार की रोकथाम के लिए पिछले कुछ हफ्तों से श्रीनगर शहर में कुछ मस्जिदों और दरगाहों को लगातार बंद रखे जाने पर

महबूबा ने यह प्रतिक्रिया दी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष मुफ्ती ने ट्वीट किया, ''कश्मीर में लोगों को मस्जिदों एवं दरगाहों पर नमाज अदा करने से रोकना बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं के प्रति भारत सरकार के अनादर के भाव को प्रदर्शित करता है। खासतौर से ऐसे समय में जब पार्क और सार्वजनिक स्थान खुले हैं और अनगिनत सरकारी कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। यह पूर्वाग्रह की पराकाष्ठा है।

लद्दाख दौरे पर सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे, चीन पर बोले- नियंत्रण में स्थिति, हर चुनौती के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन से बढ़ रहे विवादों के बीच शुक्रवार को आर्मी चीफ जनरल नरवणे लद्दाख दौरे पर निकल गए हैं। अपनो दो दिनों के दौरे पर नरवणे सीमा पर तैनात जवानों से मिले और बॉर्डर पर तैयारियों का जायजा लिया है। थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने इस बीच रेजांगला युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। नरवणे ने पूर्वी लद्दाख में 'फॉरवर्ड' इलाकों का दौरा किया और सुरक्षा स्थितियों का जायजा लिया। सैनिको से बातचीत के दौरान नरवणे ने जवानों को हौसला बढ़ाया और उनके मनोबल की सराहना भी की।

भारत-चीन के रिश्तों पर क्या बोले नरवणे

सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवने भारत-चीन गतिरोध पर न्युज एंजेसी से साक्षात्कार में कहा कि, मेरा दृढ़ मत है कि हम अपने मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझा सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि हम परिणाम हासिल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि, पिछले 6 महीनों में स्थिति काफी सामान्य रही है। हमें उम्मीद है कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में 13वें दौर की वार्ता होगी और हम इस बात पर आम सहमति पर पहुंचेंगे कि अलगाव कैसे होगा।सेना प्रमुख ने आगे कहा कि, हम उनकी सभी गतिविधियों पर नियमित रूप से नजर रख रहे हैं। हमें मिली जानकारी के आधार पर, हम बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सैनिकों के मामले में भी समान विकास कर रहे हैं, जो किसी भी खतरे का

मुकाबला करने के लिए आवश्यक हैं। फिलहाल, हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।एएनआई को सेना प्रमुख ने बताया कि,चीनियों ने हमारे पूर्वी कमान तक पूरे पूर्वी लद्दाख और उत्तरी मोर्चे पर काफी संख्या में तैनाती की है। निश्चित रूप से अग्रिम क्षेत्रों में उनकी तैनाती में वृद्धि हुई है जो हमारे लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

K-9 VAJRA तोपों पर नरवणे बोले..

सेना प्रमुख जनरल नरवणे K-9 VAJRA स्व-चालित तोपखाने के प्रदर्शन पर कहा कि, ये तोपें ऊंचाई वाले इलाकों में भी काम कर सकती हैं, फील्ड ट्रायल बेहद सफल रहे। हमने अब एक पूरी रेजिमेंट जोड़ ली है, यह वास्तव में मददगार होगा।

पाकिस्तान पर नरवणे ने साधा निशाना

सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने कहा कि, हमने हर हफ्ते होने वाले हॉटलाइन संदेशों और डीजीएमओ स्तर की वार्ता के माध्यम से अवगत कराया है कि उन्हें (पाकिस्तान) किसी भी आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों को समर्थन नहीं देना चाहिए।फरवरी से जून के अंत तक पाक सेना द्वारा कोई संघर्ष विराम उल्लंघन नहीं किया गया था। लेकिन हाल ही में घुसपैठ के प्रयासों में वृद्धि हुई है जो संघर्ष विराम उल्लंघन द्वारा समर्थित नहीं थे। 10 दिनों में दो बार संघर्षविराम का उल्लंघन हो चुका है। स्थिति फरवरी से पहले के दिनों में वापस आ रही है।

किसानों के विरोध के बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री का ऐलान, रविवार से शुरू होगी धान की खरीद

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

धान की खरीद में देरी को लेकर किसानों ने हरियाणा में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि किसानों ने हरियाणा के सीएम मनोहर लाल खट्टर के आवास के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मौके पर पुलिस की भारी बल तैनात किए गए।

रविवार से शुरू होगी धान की खरीद

इन सब के बीच अब हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि, किसानों की ओर से आज कई जगह धरना प्रदर्शन किया गया कि धान की खरीद को जल्दी कराया जाए। हमें भी संवेदनशीलता का एक विषय ध्यान में है कि खरीद वास्तव में शुरू होनी चाहिए। अब निर्णय हो गया है, अब वो अपना धरना समाप्त करेंगे। वहीं हरियाणा के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि, हरियाणा और पंजाब दोनों में कल से यानि कि रविवार से धान की खरीद शुरू होगी।

केंद्र के तीन विवादास्पद कृषि कानूनों और पंजाब और हरियाणा में 11 अक्टूबर तक धान खरीद में देरी के केंद्र के फैसले के विरोध में एक हजार से अधिक किसान शनिवार को मुख्यमंत्री एमएल खट्टर के आवास के बाहर एकत्र हुए थे।

सीएम बनने के ख्वाब देख बहक चुके हैं विक्रमादित्य: कुसुम सदरेट कहा, कांग्रेस से अलग-थलग होने के बाद खो चुके हैं संतुलन

शिमला। (एजेंसी)।

भाजपा प्रदेश सचिव एवं शिमला को पूर्व महापौर कुसुम सदरेट ने कांग्रेस विधायक विक्रमादित्य सिंह के बयान पर पलटवार किया। विक्रमादित्य सिंह ने बीते दिनों सरकारी कर्मचारियों और अध्यापकों के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी की थी और कांग्रेस की सरकार आने पर पटक-पटकर तबादले करने की धमकी दी थी।

सदरेट ने विक्रमादित्य सिंह द्वारा दिए गए बयान की जमकर निंदा की है। मेहता ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह कांग्रेस की सरकार बनने पर अध्यापकों और कर्मचारियों को तबादले की धमकी दे रहे हैं, जो उनकी ओछी राजनीति और घटिया मानसिकता का परिचय है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के निधन के बाद अब कांग्रेस अलग-थलग हो चुकी है। भाजपा नेता ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह प्रदेश में सीएम बनने के ख्वाब लेने लगे हैं और बहक चुके हैं। वीरभद्र सिंह के निधन के बाद कांग्रेस में कोई बड़ा नेता नहीं होने

के कारण विक्रमादित्य सिंह खुद को मुख्यमंत्री प्रत्याशी समझ रहे हैं। सदरेट ने विक्रमादित्य सिंह को दो टूक शब्दों में जवाब देते हुए कहा कि आपका ख्वाब सिर्फ ख्वाब ही रह जाएगा, पहले आप अपनी विधायकी बचाने की फिक्र करें। प्रदेश में जयराम सरकार की लोकप्रियता और कांग्रेस में गुटबाजी को देख विक्रमादित्य सिंह बहकी-बहकी बातें कर रहे हैं।

प्रदेश सचिव ने कहा कि कांग्रेस की हालात ऐसी हैं कि स्व. वीरभद्र सिंह के करीबी भी विक्रमादित्य सिंह के परिवार से भी अलग-थलग हो चुके हैं। सदरेट ने नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह राठौर को विक्रमादित्य सिंह की सुध लेने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य सिंह खुद को स्वतंत्र नेता और कांग्रेस का वारिस समझते हैं। सदरेट ने कहा कि अपनी खिसकती राजनीतिक जमीन को संभालने के लिए विक्रमादित्य सिंह अंट-शंट बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। प्रदेश में होने वाले उपचुनावों में कांग्रेस की करारी हार तय देख विक्रमादित्य सिंह अब राजनीतिक शब्दों का संतुलन भी खो चुके हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बोले- पांच साल चलेगी राजस्थान की सरकार

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को भरोसा जताया कि उनके नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी और अगली बार भी राज्य में कांग्रेस की ही सरकार बनेगी। गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर प्रशासन गांवों/शहरों के संग अभियान की औपचारिक शुरुआत कर रहे थे। कांग्रेस शासित राज्यों पंजाब, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में सरकारों को लेकर मीडिया में जारी कयासों पर चुटकी लेते हुए गहलोत ने कहा, ''निश्चिंत रहें, यह सरकार (कांग्रेस नेतृत्व वाली राज्य सरकार) पूरे पांच साल चलेगी और अगली बार भी राज्य में कांग्रेस की ही सरकार आएगी।''

उन्होंने मंच पर बैठे स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल की ओर इशारा करते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ''धारीवाल जी को फिर यही विभाग दूंगा।'' लंबे समय बाद किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए गहलोत ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी व राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) के आयोजन के दौरान सरकार के आह्वान का जनता

ने पूरी तरह साथ दिया है। उन्होंने कहा, ''यहां अब तक कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है ऐसा लोग कहते हैं। बाकी तो चुनाव होने पर ही पता चलेगा।'' मुख्यमंत्री गहलोत की पिछले महीने एंजियोप्लास्टी हुई थी, जिसका जिक्र करते हुए गहलोत ने विपक्ष पर चुटकी लेते हुए कहा, ''मुझे 15- 20 साल कुछ नहीं होने वाला है। जिसको दुखी होना है होता रहे।

सपा-बसपा की सरकारों में हिंदू पर्व प्रतिबंधित किये जाते थे : योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि पिछली सपा और बसपा की सरकारों में हिंदू पर्व और त्योहार प्रतिबंधित कर दिये जाते थे लेकिन एक वर्ग विशेष के त्यौहार को मनाने के लिए 'रेड कालीन' बिछाई जाती थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'पिछली सरकारों में दंगे होते थे, कर्फ्यू लग जाते थे और लोग कोई पर्व और त्योहार नहीं मना पाते थे।अगर दंगा नहीं हुआ तो प्रशासन के लोग अजीब शर्त लगा देते थे कि होली नहीं मना पाएंगे, दीपावली पर आतिशबाजी नहीं करेंगे, कांवड़ यात्रा में नहीं जा पाएंगे और जाएंगे तो डीजे नहीं बजाएंगे।'

योगी ने आरोप लगाते हुए कहा, 'तब वर्ग विशेष के पर्व और त्योहारों को मनाने के लिए रेड कालीन बिछाई जाती थी लेकिन जब भी हिंदू पर्व और त्योहार आते थे तो उसे प्रतिबंधित कर दिया जाता था।'

उन्होंने कहा, 'प्रदेश की जेलों और थानों में एक ही पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाया जाता था और सपा-बसपा दोनों सरकारों ने इसे प्रतिबंधित कर दिया लेकिन जब हम लोग आए तो सबसे पहला पर्व आया कांवड़ यात्रा और प्रशासन के लोगों ने कहा कि छह राज्यों के लोग आते हैं और अगर यात्रा हुई तो दंगा हो जाएगा, मैंने कहा कि मैं क्यों बैठा हूं यहां, उसी दंगे को रोकने के लिए आए हैं। यह चिंता तुम्हें नहीं करनी, प्रदेश की 24 करोड़ जनता की सुरक्षा का दायित्व हमारे ऊपर है और कांवड़ यात्रा होगी। हमने कह दिया कि हम कांवड़ यात्रा नहीं रोकेंगे। सभी त्योहार मनाये जाएंगे।'

योगी ने आरोप लगाया, 'सपा-बसपा को शासन का मौका मिला लेकिन इन लोगों ने अपने घर को भरा, इनके लिए परिवार ही पार्टी थी और ये अपने परिवार से बाहर नहीं निकल पाये और प्रदेश को लावारिस छोड़ दिया। 15 वर्षों में कुछ लोगों ने उप्र की दिशा बदल दी, तकदीर बदल दी और पहचान समाप्त कर दी लेकिन भाजपा के नेतृत्व की सरकार ने मात्र साढ़े चार वर्ष के अंदर प्रदेश को फिर से उसके गौरव की ओर अग्रसर कर उसकी पहचान दिलाने का कार्य किया है।' अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पुनः सफलता दिलाने की जिम्मेदारी युवाओं को सौंपते हुए योगी ने कहा कि प्रदेश की 24 करोड़ आबादी है और इसमें छह करोड़ युवा हैं, इन छह करोड़ युवाओं को कैसे जोड़ेंगे, अभी से तैयारी करिए और बूथ से लेकर ऊपर तक सम्मेलन करिए, आपको कोई ताकत सफलता से रोक नहीं पाएगी।' मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 'हम सबके सामने 2022 चुनौती है क्योंकि 2022 का चुनाव उत्तर प्रदेश की तकदीर लिखेगा।' उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल युवाओं पर अपना दावा करेगा लेकिन आप बहस में भाग लें और बताइए कि भाजपा की सरकार में युवाओं को कितना लाभ मिला है। कोरोना काल, बाढ़ राहत, अन्न वितरण, रक्तदान समेत सभी कार्यों में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की चर्चा करते हुए कहा, 'अब आम जनमानस को बताने की आवश्यकता है कि अगर भाजपा नहीं होती तो 500 वर्षों का कलंक धुल नहीं पाता। आज अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण हो रहा है और यह केवल भारतीय जनता पार्टी कर सकती है।' योगी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश जिस राह पर आगे बढ़ा है, आज प्रदेश में कोई दंगा नहीं कर सकता है, जो दंगाई सिर चढ़कर बोलते थे उनको बोल दिया गया कि सात पीढ़ी का नाम लिखकर छोड़ देना कि दंगा करोगे तो कौन भरपाई करेगा।' उन्होंने एक-एक बूथ के लिए युवाओं की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करते हुए हर युवा को बिना किसी भेदभाव के जोड़ने की नसीहत दी और कहा कि सकारात्मक दिशा में राष्ट्र निर्माण के लिए आगे बढ़िए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

एयर इंडिया की हो सकती है 'घर वापसी', अमित शाह की अध्यक्षता में टाटा ग्रुप को सौंपी जा सकती है कमान

नई दिल्ली। घाटे में चल रही सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया की कमान इस सप्ताह उसके नए मालिक को सौंप दी जाएगी। नए मालिक का फैसला इस सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंत्रियों के पैनल में किया जाएगा। संभव है कि एक सप्ताह बाद एयर इंडिया की घर वापसी हो और सरकार टाटा ग्रुप को दोबारा एयर इंडिया की कमान सौंप दे।

दअरसल, टाटा ग्रुप एयर इंडिया की बोली में सबसे आगे चल रहा है। इस दौड़ में स्पाइस जेट के प्रमोटर अजय सिंह भी शामिल हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय एक सप्ताह बाद ही होना है।

1932 में टाटा एयरलाइंस के नाम से हुई थी शुरुआत

अगर टाटा के साथ सरकार

का सौदा पक्का होता है तो विमानन कंपनी की 68 साल बाद घर वापसी होगी। टाटा समूह ने अक्तूबर 1932 में टाटा एयरलाइंस के नाम से एयर इंडिया की शुरुआत की थी। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद एक राष्ट्रीय एयरलाइंस की जरूरत महसूस हुई। ऐसे में भारत सरकार ने एयर इंडिया में 49 फीसदी हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर लिया। इसके बाद 1953 में भारत सरकार ने एयर कॉर्पोरेशन एक्ट पास किया और फिर टाटा समूह से इस कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी खरीद ली। रिजर्व प्राइस से करीब 3,000 करोड़ रुपये ज्यादा है टाटा की बोली

एक रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा ग्रुप की बोली सरकार द्वारा तय किए गए रिजर्व प्राइस से करीब 3,000 करोड़ रुपये ज्यादा है। टाटा की बोली स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह द्वारा लगाई गई बोली से लगभग 5,000 करोड़ रुपये अधिक है।

मोबाइल ऐप लॉन्च

पीएम की लोगों से अपील, पानी का उपयोग प्रसाद की तरह करें, जो 70 साल में नहीं हुआ वह दो साल में हो गया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ग्राम पंचायतों से संवाद के बाद जल जीवन मिशन के मोबाइल ऐप और राष्ट्रीय जल जीवन कोष को लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने पानी समितियों से भी वर्चुअली संवाद किया। पीएम मोदी ने कहा, जल संरक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए हमें युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि पानी को हमें प्रसाद की तरह इस्तेमाल करना चाहिए। हमें पानी को लेकर आदतें बदलनी होंगी। पानी बर्बाद करने से लोग बचें। साथ ही किसान भी कम पानी वाली फसलों पर ज्यादा जोर दें। पीएम मोदी ने कहा कि ये विकेंद्रीकरण का भी बहुत बड़ा अभियान है। ये गांव और महिलाओं द्वारा आगे बढ़ाया जाने वाला मिशन है। इसका मुख्य आधार, जनआंदोलन और जनभागीदारी है। मोदी ने कहा कि गांव की महिलाओं का सशक्तीकरण हमारी सरकार की प्राथमिकताओं मे से एक है। लड़कियों के स्वास्थ्य पर हमारी सरकार विशेष ध्यान दे रही है।

पानी को हमें प्रसाद की तरह इस्तेमाल करना चाहिए। हमें पानी को लेकर आदतें बदलनी होंगी। पानी बर्बाद करने से लोग बचें। साथ ही किसान भी कम पानी वाली फसलों पर ज्यादा जोर दें। पीएम मोदी ने कहा कि ये विकेंद्रीकरण का भी बहुत बड़ा अभियान है।

जल समिति में महिलाओं की बढ़ेगी हिस्सेदारी-प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जल जीवन मिशन के मोबाइल ऐप को लॉन्च करते हुए कहा कि जल समिति में 50 फीसदी महिलाओं की हिस्सेदारी होगी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रीय जल जीवन कोष के तहत ग्रामीण इलाकों में घरों, स्कूलों व आंगनवाड़ी केंद्रों पर जल आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाएगी और नल लगवाए जाएंगे। इस कोष में कोई भी व्यक्ति, संस्थान, कंपनी व एनजीओ दान कर सकता है।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर तंज

इस दौरान पीएम मोदी ने नाम लिए बगैर कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। पीएम मोदी ने कहा कि जो काम सात दशक में नहीं हुआ, वह दो साल में पूरा हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि लगभग 2 लाख गांवों ने कचरा प्रबंधन प्रणाली शुरू कर दी है और 40,000 ग्राम पंचायतों ने सिंगल यूज प्लास्टिक को छोड़ दिया है। आत्मनिर्भर कार्यक्रम के तहत देश आज तेजी से आगे बढ़ रहा है। गंगा नदी की सफाई के लिए युद्ध स्तर पर काम जारी है। खादी और हस्तशिल्प की बिक्री भी कई गुना बढ़ी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने इसको लेकर ट्वीट भी किया। उन्होंने लिखा कि दो अक्टूबर को 11 बजे वे जल शक्ति और ग्राम विकास के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे ग्राम पंचायतों और पानी समितियों से वर्चुअली संवाद कर उन्हें पानी के प्रति जागरूक करेंगे और इस मिशन के फायदे बताएंगे। साथ ही जल जीवन मिशन एप और राष्ट्रीय जल जीवन कोष को भी लॉन्च किया जाएगा। बता दें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त, 2019 में जल जीवन मिशन की घोषणा की थी। इस मिशन का उद्देश्य हर घर में पानी की सप्लाई पहुंचाना है। वर्तमान में सिर्फ ग्रामीण इलाकों में सिर्फ 17 प्रतिशत लोगों के पास ही पानी की सप्लाई है।

प्रधानमंत्री मोदी, सोनिया गांधी समेत कई नेता पहुंचे राजघाट, बापू को अर्पित की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सोनिया गांधी समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजघाट पहुंचे और बापू की समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने विजय घाट पहुंच कर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया ने भी राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्विटर पर लिखा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी जन्म-जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। पूज्य बापू का जीवन और आदर्श देश की हर पीढ़ी को कर्तव्य पथ पर चलने के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा कि मूल्यों और सिद्धांतों पर आधारित उनका जीवन देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत बना रहेगा। इसके अलावा उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू व लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्प अर्पित किए।

मेडिसिन में डॉक्ट्रेट के प्रवेश मानदंड पर केंद्र और एनएमसी को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिसिन में डॉक्ट्रेट/मेडिकल जेनेटिक्स करने के लिए प्रवेश के मानदंडों को चुनौती वाली याचिका पर केंद्र सरकार और राष्ट्रीय मेडिसिन चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को नोटिस देकर जवाब मांगा है। याचिका में नीट सुपर स्पेशियलिटी 2021 के सूचना बुलेटिन/प्रोस्पेक्टस को भी चुनौती दी गई है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस बीवी नागरत्ना ने एनजीओ सोसाइटी ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स की याचिका पर केंद्र और राष्ट्रीय

चिकित्सा आयोग से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। याचिका में दिल्ली हाईकोर्ट के पिछले साल 21 अगस्त के उस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट का ध्यान आकर्षित किया गया है, जिसमें याचिकाकर्ता की याचिका को खारिज कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि याचिकाकर्ता को सुने जाने का अधिकार नहीं है, क्योंकि याचिका के परिणाम से याचिकाकर्ता का कोई लेना-देना नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने सेना की 72 महिला अफसरों को सेवामुक्त करने पर लगाई अंतरिम रोक, केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन की 72 महिला अधिकारियों को सेवामुक्त करने पर अगली सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही स्थायी कमीशन नहीं देने पर अदालत ने केंद्र से कारण पूछा है। मामले में अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने यह आदेश महिला अधिकारियों की अवमानना याचिका पर दिया है। इससे पूर्व 13 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में ही इन 72 महिला अधिकारियों की अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया था कि दो हफ्ते में इन अधिकारियों की समस्याओं का समाधान निकालेगी। इन महिलाओं ने कहा है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद सेना ने उन्हें अभी तक स्थायी

कमीशन नहीं दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 25 मार्च 2021 को फैसला सुनाया था कि दो महीने के अंदर इन महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन दिया जाए और साथ में अगले महीने प्रमोशन भी दिया जाए। सुनवाई की शुरुआत होने पर कुछ महिला अधिकारियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वी मोहना ने कहा कि सेना ने बगैर कोई कारण बताए बुधवार को अधिकारियों को खारिज करने का आदेश एक झटके में जारी कर दिया। जबकि महिला अधिकारियों ने अपने विषयों में 60 प्रतिशत से अधिक अंक पाए हैं। वे मेडिकल मापदंड पर भी खरी उतरी हैं। उनके खिलाफ कोई अनुशासनिक व सतर्कता जांच भी लंबित नहीं है। यह शीर्ष न्यायालय के फैसले के खिलाफ है और आदेश को रद्द किया जाए। पीठ ने केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलीसीटर जनरल (एएसजी) संजय जैन से सवाल किया कि इस विषय में क्या हो रहा है। जैन ने कहा कि उनकी समझ के मुताबिक सभी अधिकारियों को खारिज करने का एक कारण नहीं हो सकता, बल्कि उन्हें खारिज करने के 72 कारण होंगे और उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता आर बालासुब्रमण्यम के साथ संबद्ध विभाग से सूचना तथा सभी संबद्ध दस्तावेज मांगे हैं, ताकि इसकी तह तक जाया जा सके। उन्होंने सभी ब्योरे के साथ वापस अदालत आने के लिए दो हफ्ते का वक्त मांगा।

कोरोना प्रभावितों की मदद के लिए दूसरी किश्त जारी, राज्यों को भेजे गए 7,274 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोविड से प्रभावित लोगों की मदद के लिए 23 राज्यों के राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) में केंद्रीय हिस्से की 7,274.40 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी करने को मंजूरी दी है। गृह मंत्रालय के मुताबिक, यह फैसला केंद्र सरकार की उस पहल के तहत किया है, इसमें राज्य सरकारों को किसी भी आपदा से उत्पन्न होने वाली किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अपने एसडीआरएफ में पर्याप्त धनराशि रखने की सुविधा प्रदान की गई है। पांच राज्यों को पहले ही 1599.20 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जा चुकी है। केंद्र सरकार ने 25 सितंबर को एक आदेश जारी किया था, जिसमें एसडीआरएफ के तहत सहायता की मदों और मानदंडों को संशोधित किया गया था और इसके साथ कोविड-19 की वजह से मरने वाले लोगों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि के भुगतान का प्रावधान किया गया था। एसडीआरएफ मानदंडों में इस संबंध में प्रावधान किया गया है ताकि उच्चतम न्यायालय द्वारा 30 जून को पारित आदेश का अनुपालन करते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा 11 सितंबर को जारी दिशा-निर्देशों को लागू किया जा सके। गृह मंत्रालय के मुताबिक, राज्य सरकारों के पास वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान उनके एसडीआरएफ में राज्य के हिस्से सहित 23,186.40 करोड़ रुपये की राशि होगी। यह राशि एसडीआरएफ में उपलब्ध ओपनिंग बैलेंस (शुरुआती राशि) के अलावा होगी। इससे राज्यों को कोविड-19 के कारण जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अनुग्रह राशि प्रदान करने और अन्य अधिसूचित आपदाओं के लिए राहत प्रदान करने का खर्च पूरा करने में मदद मिलेगी।

'आजादी मिलने से एक सप्ताह पहले रची गई थी महात्मा गांधी की हत्या की साजिश'

नई दिल्ली। महात्मा गांधी की हत्या की साजिश 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति से एक सप्ताह पहले ही रच ली गई थी। यह दावा एक नई किताब में किया गया है जो हत्या के लिए इस्तेमाल की गई बेरेटा पिस्तौल तथा ग्वालियर के एक डॉक्टर द्वारा इसकी व्यवस्था किए जाने सहित पूरी घटना का विवरण पेश करती है। अप्पू एस्थोस सुरेश और प्रियंका कोटमराजू द्वारा लिखी गई किताब 'द मर्डरर, द मोनार्क एंड द फकीर- ए न्यू इन्वेस्टिगेशन ऑफ महात्मा गांधीज असैसिनेशन' गांधी की हत्या की परिस्थितियों, इसके कारणों और इसके बाद की जांच आदि पर प्रकाश डालती है।

किताब पूर्व में संज्ञान में न ली गई खुफिया रिपोर्ट और पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर उस समय की रियासतों की

अप्पू एस्थोस सुरेश और प्रियंका कोटमराजू द्वारा लिखी गई किताब 'द मर्डरर, द मोनार्क एंड द फकीर ए न्यू इन्वेस्टिगेशन ऑफ महात्मा गांधीज असैसिनेशन' गांधी की हत्या की परिस्थितियों, इसके कारणों और इसके बाद की जांच आदि पर प्रकाश डालती है।

भूमिका, अति पुरुषत्व की भावना और देश को मिली स्वतंत्रता के परिप्रेक्ष्य में उभरी एक दक्षिणपंथी भावना की पड़ताल भी करती है। हार्पर कोलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित पुस्तक में लेखकों ने कहा है कि गांधी की हत्या किसी एक व्यक्ति या हिन्दू महासभा के कुछ कट्टर सदस्यों का काम नहीं थी। इसमें कहा गया है कि ऐसा नहीं है कि हत्या की साजिश 30 जनवरी 1948 से कुछ सप्ताह पहले ही रची गई हो।

पुस्तक में लेखकों ने लिखा है, हमने किताब में जो नए साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, वे इस ओर इशारा करते हैं कि इसकी साजिश 1947 में आजादी मिलने से एक सप्ताह पहले ही रच ली गई थी। हमारा मत है कि यह खोज भारत के इतिहास के एक निर्णायक क्षण की समकालीन समझ के लिए काफी अहम है। नाथूराम गोडसे ने 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके लिए उसने इटली निर्मित स्वचालित पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। यह बेरेटा सीएएल 9 पिस्तौल थी जिसकी संख्या 719791 थी। 1934 में निर्मित इस पिस्तौल की व्यवस्था ग्वालियर के डॉक्टर दत्तात्रेय पारचुरे ने की थी जिसके बारे में माना जाता है कि उसने हिन्दू राष्ट्र सेना की स्थापना की थी।

पंजाब में कैप्टन सच में लेंगे कांग्रेस से 'अपमान' का बदला? नई पार्टी और बीजेपी से गठबंधन पर अमरिंदर के दिमाग में क्या चल रहा

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से 'अपमान' का बदला लेने के मूड में दिख रहे हैं। कांग्रेस से अलग होने का ऐलान कर चुके पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह अब अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी शुरू करने के लिए तैयार हैं और आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन या सीट एडजस्टमेंट पर भी विचार कर सकते हैं। इस मामले से परिचित लोगों ने इस बात की जानकारी दी।

पूर्व सीएम कैप्टन ने गृह मंत्री अमित शाह और एनएसए अजीत डोभाल के साथ अपनी हालिया बैठकों के बाद उनकी सोच से अवगत लोगों द्वारा संवाददाता के साथ साझा की गई जानकारी की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया। हालांकि, इस मामले से परिचित लोग यह नहीं बता सके कि क्या कैप्टन और भाजपा के बीच प्रस्तावित गठजोड़ केंद्र सरकार द्वारा तीन कृषि कानूनों पर गतिरोध को तोड़ने के लिए कदम उठाने पर आधारित होगा, जो राज्य में एक बेहद भावनात्मक मुद्दा है और मौजूदा वक्त में भाजपा के लोकप्रिय आधार को कमजोर कर दिया है।

इन अटकलों के बीच कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केवल इतना कहा कि वह मीडिया के बयानों के माध्यम से राजनीति करने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं मैदान में, लोगों की

अदालत में अपनी लड़ाई लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि वह फिर से दिल्ली की यात्रा करेंगे और कांग्रेस के वरिष्ठ असंतुष्ट नेताओं (जिन्हें जी-23 के रूप में जाना जाता है) के साथ मुलाकात करेंगे, जो पार्टी की जर्जर स्थिति को लेकर परेशान हैं।

तकनीकी तौर पर कैप्टन अमरिंदर अभी भी कांग्रेस में हैं, मगर उन्होंने कहा है कि उनका पार्टी में बने रहने का कोई इरादा नहीं है। माना जा रहा है कि कांग्रेस से औपचारिक रूप से विदाई तब हो सकती है, जब उनकी राजनीतिक योजनाएं पूरी हो जाएंगी। उन्होंने कहा, %मैं जी-23 को सोशल मीडिया पर चिंता व्यक्त करने के बजाय मैदान में उतरने और लोगों तक पहुंचने के लिए कहने जा रहा हूं। बता दें कि जी-23 समूह के ज्यादातर नेता संगठन और नेतत्व में बदलाव चाहते हैं न कि पार्टी से बाहर निकलने का रास्ता।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इस बात से इनकार किया कि यह बात सार्वजनिक होने के बाद कि वह इस्तीफा देंगे, कांग्रेस की ओर से किसी ने उनसे संपर्क किया है। मगर पार्टी के एक सीनियर पदाधिकारी ने खुलासा किया कि (कैप्टन की मीडिया रिपोर्टों के जवाब में कि वह अपमानित महसूस कर रहे हैं) कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन्हें यह बताने के लिए संदेश भेजा है कि वह उनके अच्छे होने की कामना करती हैं और सोनिया गांधी का ऐसा इरादा बिल्कुल नहीं था, जैसा कैप्टन महसूस कर रहे हैं। सोनिया गांधी ने कथित तौर पर कहा कि उनका यह तरीका नहीं है और वह अपने साथियों और अपने लोगों को अपमानित करने का ऐसा इरादा बिल्कुल नहीं रखतीं।

दरअसल, कैप्टन ने कांग्रेस आलाकमान के कहने पर 18 सितंबर को पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की थी और कहा था कि पार्टी में मेरा अपमान हुआ। उन्होंने कहा था कि जब मेरे जैसे सीनियर नेता का पार्टी में इस तरह अपमान हो रहा है तो आम कार्यकर्ताओं के साथ कैसा होता होगा। इतना ही नहीं, कैप्टन ने कल भी जब कांग्रेस छोड़ने का ऐलान किया तो उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस छोड़ रहा हूं क्योंकि मैं अपमान नहीं सह सकता।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com